तापमान
अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 19 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 4 अक्टूबर 2026

12 1,36,101 क्विंटल धान की हुई आवक 56,272 ...



12 प्लास्टिक को कहा न, पर्यावरण संरक्षण का ..



खबर संक्षेप

269 ग्राम हेरोइन के साथ तीन युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल और कलानौर पुलिस चौकी टीम ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को 269 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। एंटी नारकोटिक सेल ने विजय कॉलोनी से बिरजू को 255 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा। पुलिस के अनुसार आरोपी नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में घूम रहा था। वहीं, कलानौर पुलिस चौकी टीम ने नेशनल हाइवे-344 पर नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार मोहित कुमार और गौरव शर्मा को रोककर तलाशी ली। दोनों के कब्जे से 14 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

घर से चुराई नकदी और चांदी की माला

यमुनानगर। शहर के पुराना हमीदा में चोरों ने घर में घुसकर अलमारी का लॉकर में रखे सात हजार रुपये व चांदी की माला चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुराना हमीदा निवासी पूनम ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक अक्टूबर को वह किसी काम से घर से बाहर गई थी। दो अक्टूबर को जब वह घर आई तो घर का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिक रहा था। जांच करने पर घर से अलमारी में रखे सात हजार रुपए व अहोई माता की चांदी की माला गायब मिली। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शादी का झांसा देकर महिला को किया अगवा

यमुनानगर। व्यासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर महिला को अगवा करके ले गया। पुलिस ने महिला के पति की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। व्यासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 26 वर्षीय पत्नी 30 सितंबर को दोपहर साढ़े 12 बजे किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी पत्नी को अभिषेक शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपीय अभिषेक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

लिंक पर क्लिक करते ही खाते से 93,473 रुपये निकले

यमुनानगर। गुमथला राम निवासी रामेश्वर साइबर ठगी का शिकार हो गया। साइबर ठगों ने उसके मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से लिंक भेजा। रामेश्वर ने लिंक पर क्लिक किया तो मोबाइल हैक हो गया और उसके बैंक खाते से 93,473 रुपये निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने का मैसेज आने पर उसे ठगी का पता चला। उसने मामले की सूचना साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी।

विदेश में जानकार बन कर चार लाख रुपये ठगे

यमुनानगर। गांव मंडेबर निवासी गुरमेल सिंह से ठगों ने विदेश में रहने वाले जानकार बनकर चार लाख रुपये ठग लिए। गुरमेल सिंह ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 सितंबर को उसके मोबाइल पर विदेशी नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को उसका जानकार बताया और पैसों की जरूरत होने की बात कही। उसने विश्वास कर बताए गए खाते में चार लाख रुपये जमा करवा दिए। इसके बाद आरोपी ने दोबारा फोन कर और पैसे मांगे। शक होने पर गुरमेल ने विदेश में रहने वाले अपने वास्तविक जानकार से संपर्क किया। उसने किसी तरह की रकम मांगने से इनकार किया।

काम और नौकरी नहीं मिलने को लेकर परेशान था युवक

घर के अंदर युवक की मौत, फंदे से लटका मिला नवीन का शव

पत्नी का दिल्ली में चल रहा है उपचार, परिवार का ज्यादातर समय वहीं बीतता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल जिले के सैदपुरा क्षेत्र में घर के अंदर 26 वर्षीय युवक नवीन कुमार की मौत हो गई। घटना का पता उस समय चला जब उसके पिता गौरी शंकर हिसार से वापस घर पहुंचे। दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर जाने पर नवीन फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। नवीन के पिता गौरी शंकर ने बताया कि नवीन मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। वह काम और नौकरी नहीं मिलने को लेकर भी चिंतित रहता था। परिवार के अनुसार उसकी पत्नी की तबीयत खराब रहती है और उसका उपचार दिल्ली में चल रहा है। इसी कारण परिवार का काफी समय दिल्ली में ही बीतता है। नवीन सैदपुरा में रहता था, जबकि उसका दूसरा बेटा दिल्ली में रहता है।



पिता के हिसार से लौटने पर सामने आई घटना

गौरी शंकर के अनुसार वह किसी काम से हिसार गए हुए थे। वापस सैदपुरा स्थित घर पहुंचने पर उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद उन्होंने खिड़की तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया। अंदर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि उनका बेटा नवीन फंदे से लटका हुआ था। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्पेन में सीने में दर्द से करनाल के युवक की मौत

शादी की तैयारियों के बीच परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल जिले के महमल गांव निवासी 28 वर्षीय रविंद्र की स्पेन में अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रविंद्र को अचानक सीने में दर्द हुआ। उसके साथी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार को फोन पर उसकी मौत की सूचना मिली तो घर में मातम छा गया। रविंद्र परिवार का इकलौता बेटा था और करीब 11 साल पहले रोजगार के लिए स्पेन गया था। वहां उसके स्थायी निवास की प्रक्रिया चल रही थी। परिवार के अनुसार रविंद्र की जल्द ही शादी करने की तैयारी थी और उसके लिए लड़की देखने की बात चल रही थी। परिवार को उसके भविष्य और शादी को लेकर काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अचानक हुई मौत से सभी उम्मीदें टूट गईं। रविंद्र के चाचा गुरमीत सिंह ने बताया कि उसके पिता गुरमुख सिंह पिछले कई वर्षों से जर्मनी में रह रहे हैं। मौत की सूचना मिलने के बाद वह जर्मनी से स्पेन के लिए रवाना हो गए हैं।



रविंद्र

शव लाने की प्रक्रिया शुरू

परिवार की ओर से रविंद्र का शव भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। परिजनों ने सरकार से भी शव जल्द भारत लाने में सहयोग की अपील की है, ताकि परिवार उसे अंतिम विदाई दे सके। गांव में भी रविंद्र की मौत की खबर से शोक का माहौल है।

तीन बच्चों के पिता ने की आत्महत्या

विवाद के बाद पत्नी पुलिस चौकी गई थी

- पत्नी का आरोप, शराब के नशे में करता था मारपीट
- एक घंटे बाद लौटी तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी की हाउसिंग बोर्ड में में घरेलू कलह के चलते तीन बच्चों के पिता घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी के मुताबिक, पति शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। आत्महत्या से पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिला तीनों बच्चों को साथ लेकर पति की शिकायत करने पुलिस चौकी चली गई। करीब एक घंटे बाद जब वह घर लौटी तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला।

दरवाजा तोड़कर बेटी को अंदर भेजा गया, तो 27 साल का बबलू चुन्नी से पंखे पर फंदा लगाकर लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कैंट नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की जाएगी। बबलू अपनी पत्नी सुमन और तीन बच्चों के साथ हाउसिंग बोर्ड में किराए के कमरे में रहता था। वह सुभाष पार्क के बाहर गुब्बारे बेचकर परिवार का खर्च चलाता था। उसकी शादी करीब 11 साल पहले हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं। इनमें 10 साल की हिमांशी, 5 साल की शांति और 3 साल का अर्चित शामिल हैं। बबलू चार भाइयों में से एक था।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि बबलू मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा था। हालांकि उसकी मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी। बबलू की पत्नी सुमन ने बताया कि करीब एक साल पहले भी पति ने शराब के नशे में फंदा लगाने की कोशिश की थी। उस समय परिवार के लोगों ने किसी तरह उसे बचा लिया था। इसके बाद उसे उम्मीद थी कि वह दोबारा ऐसा कदम नहीं उठाएगा। सुमन ने बताया कि उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके पीछे पति फिर से फंदा लगा लेगा।

ट्रेन से गिरने की आशंका

अंबाला में रेलवे ट्रैक से मिला प्रवासी युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी व शहर रेलवे स्टेशन के बीच शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिला। स्टेशन मास्टर की सूचना पर अंबाला शहर रेलवे स्टेशन की जीआरपी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की तलाशी लेने के साथ घटनास्थल की तस्वीरें लीं। मृतक की जेब से लुधियाना से लखनऊ का जनरल टिकट मिला है। पुलिस के अनुसार, टिकट 2 अक्तूबर की रात 2:10 बजे लुधियाना से रवाना होने वाली ट्रेन का है। चौकी इंचार्ज यशपाल ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 8 बजे स्टेशन मास्टर से सूचना मिली थी कि रेलवे ट्रैक के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव की तलाशी ली तो जेब से 60 रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और लुधियाना से लखनऊ का जनरल टिकट मिला। मोबाइल की स्क्रीन टूटी हुई थी। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के रायबरेली के युवक के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 30 से 35 साल बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक लुधियाना में रहकर काम करता था। लुधियाना से अपने घर रायबरेली जा रहा था। इसी दौरान अंबाला में रेलवे ट्रैक के पास उसका शव मिला। चौकी इंचार्ज यशपाल ने बताया कि मौके पर जांच और तलाशी की कार्रवाई के बाद अंबाला शहर के सिविल अस्पताल में सूचना दी गई। इसके बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है। उनके पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर युवक की मौत ट्रेन से गिरने के कारण होने का अंदेशा है। मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा।

बाइक और मोबाइल चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार, 11 फोन बरामद

- आरोपियों की पहचान सागर निवासी पुगथला, दीपक निवासी मोई, सोनीपत और विजय निवासी चावला कॉलोनी के रूप में हुई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एंटी एक्सटॉर्शन सेल पुलिस ने बाइक और मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक, उसकी आरसी और 11 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपियों की पहचान सागर उर्फ छोटू निवासी पुठाथला, दीपक निवासी मोई, सोनीपत और विजय निवासी चावला कॉलोनी के रूप में हुई है। एंटी एक्सटॉर्शन सेल प्रभारी सब इंस्पेक्टर गौरव ने बताया कि शुक्रवार शाम पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि तीन संदिग्ध युवक एचएफ डीलक्स बाइक पर बलजीत नगर नाका के पास पावर हाउस के नजदीक घूम रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को काबू कर बाइक के कागजात मांगे। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर पूछताछ की गई तो उन्होंने बाइक चोरी करने की बात कबूल की।

शादी का झांसा देकर 25 लाख के गहने ठगने का आरोप

खुद को एसटीएफ अधिकारी बताया

- शादी .कॉम के जरिए संपर्क में आया था आरोपी
- मोहाली में 80 करोड़ की प्रॉपर्टी सील होने का दिया था झांसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

शादी का सपना दिखाकर लाखों की ठगी और घर के गहने साफ करने का एक मामला सामने आया है। बीडी फ्लोर मिल के रहने वाले नानक चंद की शिकायत पर पुलिस ने उनकी बेटी रितु और उसके कथित प्रेमी विद्युत उर्फ विशाल के खिलाफ 22 से 25 लाख रुपये के जेवर चोरी करने व धोखाधड़ी का आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल शादी.कॉम के जरिए रितु के संपर्क में आए आरोपी विद्युत ने खुद को जालंधर एसटीएफ का अधिकारी बताया था। उसने मोहाली में 80 करोड़ की प्रॉपर्टी सील होने का झांसा देकर परिवार को झांसे में लिया। बाद में दोनों ने साजिश रचकर परिवार के सदस्यों से ओटीपी हासिल किए और लोन ले लिया। मामले का खुलासा 22 अगस्त को तब हुआ जब घर में समारोह के दौरान अलमारी और दीवान बेड से 7 तोले सोने के गहने और 23 तोले चांदी की पाजेब गायब मिलीं। रितु से सख्ती से पूछताछ करने पर उसने कबूला कि गहने चोरी कर चंडीगढ़ स्थित पूनावाला फाइनेंस में गिरवी रख दिए हैं। आर्थिक अपराध शाखा की जांच के बाद थाना महेश नगर में दोनों आरोपियों के खिलाफ घर में चोरी 305 व साजिश 61(2) के तहत केस दर्ज किया है।

राइस मिल में बोरी उठाते समय मजदूर गिरा, इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पिहोवा में राइस मिल में चावल की बोरी उठाते समय संतुलन बिगड़ने से 31 वर्षीय मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने के बाद वह बेहोश हो गया। पिहोवा के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे एलएनजेपी अस्पताल कुरुक्षेत्र रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव जानकीनगर, जिला मधुबनी (बिहार) निवासी नित्यानंद सदाय के रूप में हुई है। वह रेनबो राइस मिल में मजदूरी करता था। बताया गया कि नित्यानंद करीब दो दिन पहले ही बिहार से मिल में काम करने आया था।

एक दिन आराम करने के बाद अगले दिन काम के दौरान हादसे का शिकार हो गया। उसके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। पुलिस को दिए बयान में नित्यानंद के भतीजे मोहन कुमार सदाय ने बताया कि वह भी इसी राइस मिल में मजदूरी करता है। रात करीब 10 बजे उसे चाचा के घायल होने की जानकारी मिली। दोनों मजदूर बोरियां अंदर ले जा रहे थे। इसी दौरान बोरी उठाते समय नित्यानंद का संतुलन बिगड़ गया और वह बोरी समेत ईंटों के फर्श पर गिर पड़ा। गिरने से नित्यानंद के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।



पिहोवा। पोस्टमार्टम हाउस पर कार्रवाई करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

अंबाला में एसएचओ को घेरकर पीटा, वर्दी फाड़ी, गर्दन में चाकू घोंपे

इयूटी से लौटते वक्त झगड़ा देख कार रोकी, युवक को छुड़ाने की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

निजी कार से घर लौट रहे एसएचओ नग्गल सुरेश कुमार पर युवकों ने हमला कर दिया। एसएचओ पर हमलावरों ने जमकर लाठी-डंडों और चाकू से वार किए। उनकी वर्दी तक फाड़ डाली। इस हमले में एसएचओ बुरी तरह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। एसएचओ पर हमला होने की सूचना के तुरंत बाद ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एसएचओ को सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए चंडीगढ़ रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावर निजी रेस्टोरेंट के पास एक युवक को पीट रहे थे। एसएचओ ने कार से उतरकर उसे बचाने की कोशिश की। हमलावर युवक को छोड़ एसएचओ पर ही हमला कर दिया। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक एसएचओ की गर्दन, कलाई, अंगूठे और सिर पर गंभीर चोटें आईं। गर्दन पर 5 टांके आए हैं। पूर्व मंत्री असीम गोयल ने अस्पताल पहुंच कर एसएचओ को हाल जाना। पुलिस के मुताबिक नग्गल थाने के एसएचओ सुरेश कुमार पर यह जानलेवा हमला शुक्रवार रात करीब 11 बजे हुआ। उस वक्त थाना प्रभारी थाने से अपनी निजी कार में कमरे पर लौट रहे थे। गांव मटेहड़ी में मिस्टर सिंह रेस्टोरेंट के पास उन्होंने कुछ युवकों को एक व्यक्ति के साथ मारपीट करते देखा। सुरेश कुमार ने कार रोककर बीच-बचाव किया तो हमलावरों ने उस व्यक्ति को छोड़कर उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी हेडक्वार्टर विजय कुमार, पूर्व मंत्री असीम गोयल और भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप सिंह राणा भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल थाना प्रभारी का हाल जाना और डॉक्टरों से उनकी स्थिति की जानकारी ली।



अंबाला। हमले में जख्मी एसएचओ सुरेश कुमार।

अंबाला में 109 केस दर्ज, 7.24 किलो से ज्यादा हेरोइन भी जब्त

नशा तस्करों पर शिकंजा, 9 माह में 253 गिरफ्तार

- तीन साल में 196 मुकदमे, 402 आरोपी गिरफ्तार
- तीन नाइजीरियाई नागरिकों समेत कई बड़े तस्कर पकड़े
- नशे की कमाई से बनाए 12 मकान पुलिस ने किए सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अलग खबर

पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने इस वर्ष (1 जनवरी 2026 से 2 अक्तूबर 2026 तक) 253 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। बीते तीन वर्षों में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ निरंतर अभियान चलाते हुए कुल 196 मुकदमे दर्ज कर 8 किलो 850 ग्राम हेरोइन बरामद की। कुल 402 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा। इस दौरान कमर्शियल मात्रा के कुल 11 मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2023 में 76 मामले दर्ज 2 किलो 698 ग्राम हेरोइन जब्त की थी जबकि 150 आरोपी गिरफ्तार किए थे। इनमें 3 कमर्शियल मात्रा के मामले भी शामिल थे। इसी तरह वर्ष 2024 में नशा तस्करी के 47 मामले दर्ज कर पुलिस ने 1 किलो 900 ग्राम हेरोइन जब्त कर 89 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें 3 कमर्शियल मात्रा के मामले शामिल थे। 2025 में पुलिस ने 73 मामले दर्ज कर 4 किलो 216 ग्राम हेरोइन जब्त कर 163 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें 5 कमर्शियल मात्रा के मामले भी थे। इस वर्ष केवल 9 महीनों के भीतर ही पुलिस ने नशा तस्करों के नेटवर्क को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया है। कुल 109 केस दर्ज कर 7 किलो 242 ग्राम 467 मिलीग्राम हेरोइन जब्त की गई। इन केसों के सिलसिले में 253 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इनमें कमर्शियल मात्रा के मुकदमे 8 मामले शामिल हैं।

सबसे बड़ा तस्कर किया काबू



पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए और एएनसी स्टाफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस साल कई बड़े तस्करों को दबोचा है। इसमें डेहा कॉलोनी का आरीमन भी शामिल है। उसे सीआईए-2 ने 1 किलो हेरोइन के साथ दबोचा था। इसके अलावा डेहा कॉलोनी के ही बंटी उर्फ बादल को भी पुलिस ने 806 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यही नहीं पुलिस ने समीर, मुकेश, आर्यन, धीरज तथा अमित को भी को 840.93 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, जड़ौत रोड (बलदेव नगर) से एक महिला तस्कर (708 ग्राम हेरोइन), जोहन (270 ग्राम हेरोइन), दलीप कुमार (209 ग्राम हेरोइन), जतिन (150 ग्राम हेरोइन) और बलजीत सिंह (141 ग्राम हेरोइन) को भी पकड़ा है।

तीन विदेशी नागरिक भी गिरफ्तार

पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट पर प्रहार करते हुए 3 नाइजीरियाई नागरिकों (एक महिला सहित) को गिरफ्तार किया है। ओगोचुक्वू स्टीफेन उर्फ जोहान उर्फ टैंगो को (102.5 ग्राम हेरोइन तस्करी में काबू किया गया है जबकि मबाचा इकेचुक्वू डेविड (294 ग्राम ड्रग्स) एक नाइजीरिया मूल की महिला को 306.5 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया है।

नशे के नेटवर्क का खुलासा

पुलिस ने पंजाब की होशियारपुर जेल से नशा तस्करी का नेटवर्क चलाने वाले कुख्यात तस्कर पुनीत उर्फ गोला तथा उसके साथियों हिमांशु, गौरव और रोहित को भी गिरफ्तार कर नशे के नेटवर्क का खुलासा किया। डेहा कॉलोनी से कई महिला तस्करों को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। नशा बेचकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने वाले अपराधियों पर कड़ा एक्शन लेते हुए पुलिस ने डेहा कॉलोनी में 12 मकानों को सील किया गया है।

पिछले साल की तुलना में पीआर धान की आवक कम



हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

घरौंडा की नई अनाज मंडी में इस वर्ष पिछले साल की तुलना में पीआर धान की आवक काफी कम है। तीन अक्टूबर तक मंडी में करीब 41 हजार क्विंटल धान की आवक हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक करीब डेढ़ लाख क्विंटल धान मंडी में पहुंच चुका था। इस तरह इस वर्ष अब तक पिछले साल के मुकाबले लगभग 30 प्रतिशत ही धान की आवक हुई है। नई अनाज मंडी में धान की सरकारी खरीद के लिए तीन एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन एजेंसियों ने पिछले चार दिनों से धान की खरीद शुरू कर रखी है। अब तक सरकारी एजेंसियों की ओर से करीब 3578 क्विंटल धान की खरीद की गई है, जबकि प्राइवेट एजेंसी ने लगभग 2410 क्विंटल धान खरीदा है।मापदंडों को लेकर किसानों को परेशानी हो रही है। मार्केट कमेटी सचिव सुनील कुमार ने बताया कि इस वर्ष मंडी में धान की आवक पिछले साल की तुलना में कम है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष सरकारी स्तर पर धान की खरीद 22 सितंबर से शुरू हो गई थी।

खबर संक्षेप

विदेश भेजने के नाम पर 56 लाख की धोखाधड़ी

करनाल। निसिंग क्षेत्र में दो युवकों को विदेश भेजने के नाम पर 56 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने और बाद में कनाडा भेजने के नाम पर फर्जी वीजा देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बीती 7 अगस्त को दी गई शिकायत और जांच रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता निसिंग निवासी राहुल ने पुलिस अधीक्षक करनाल को दी शिकायत में आरोप लगाया कि झिरकपुर निवासी सोनू की मुलाकात उसकी राजन निवासी राधेश्याम से हुई थी। राजन विदेश भेजने का काम करता था।
शिकायत के अनुसार राजन ने दो युवकों को 56 लाख रुपये में इंग्लैंड भेजने की बात कही थी।

कैंटर में ठूंसकर ले जा रहे थे 15 गाय, दो काबू

करनाल। जिला पुलिस करनाल ने पशुओं के प्रति क्रूरता और अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कैंटर में 15 गायों को ठूंस-ठूंसकर ले जाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक करनाल करन गोयल के निर्देश पर थाना असंध प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार के नेतृत्व में उप निरीक्षक यशपाल की टीम ने की।
पुलिस टीम ने स्टेट हाईवे-152डी पर खेड़ी सर्फली के नजदीक नाकाबंदी कर संदिग्ध कैंटर को काबू किया। पुलिस के अनुसार 2 अक्तूबर की रात सूचना मिली थी कि एक कैंटर अमृतसर की ओर से बड़ी संख्या में गौवंश भरकर उत्तर प्रदेश की तरफ जा रहा है।

चोरी की चार मोटरसाइकिलों सहित आरोपी गिरफ्तार

करनाल। जिला पुलिस करनाल ने दुपहिया वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक करनाल करन गोयल के मार्गदर्शन में एंटी ऑटो व्हीकल थेफ्ट स्टाफ की टीम ने उप निरीक्षक राकेश कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की। आरोपी के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरविन्द्र सिंह पुत्र बलबीर सिंह निवासी गांव रसुलपुर, डाकखाना चुन्नी कलां, तहसील बस्सी पठाना, जिला फतेहगढ़ साहिब, पंजाब के रूप में हुई है।

इग्नू करनाल में 33,257 नए पंजीकरण

करनाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का क्षेत्रीय केंद्र करनाल दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों की पसंद का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। नए दाखिलों के लिए अब तक 33,257 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 27,929 विद्यार्थी फीस भी जमा कर चुके हैं। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्म पाल ने शेष 5,326 पंजीकृत विद्यार्थियों से निर्धारित समय के भीतर फीस जमा कर दाखिला सुनिश्चित करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि पुनः पंजीकरण के लिए भी 27,886 विद्यार्थियों ने फीस जमा कर दी है।
इग्नू ने नए दाखिलों की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 अक्तूबर 2026 कर दी है। यह सुविधा प्रमाण-पत्र एवं सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों को छोड़कर उपलब्ध है। इसके अलावा परीक्षा फॉर्म बिना विलंब शुल्क के 7 अक्तूबर 2026 तक भरे जा सकेंगे।

इंद्री अनाज मंडी में धान खरीद न होने पर गुस्साए किसानों ने जड़ा ताला

- किसानों के प्रदर्शन के कारण करीब दो घंटे तक मार्किट कमेटी कार्यालय पर ताला लगा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री



इंद्री। धान की सरकारी खरीद शुरू न होने से नाराज किसान मार्किट कमेटी कार्यालय के गेट पर ताला जड़ कर नारेबाजी करते हुए।



इंद्री। मार्किट कमेटी कार्यालय के गेट के पास धरने पर बैठकर नारेबाजी करते हुए।

अनाज मंडी इंद्री में धान की सरकारी खरीद शुरू न होने से नाराज किसानों ने मार्किट कमेटी कार्यालय के गेट पर ताला जड़ दिया और कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान किसानों ने सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों के प्रदर्शन के कारण करीब दो घंटे तक मार्किट कमेटी कार्यालय पर ताला लगा रहा। इस मौके पर भाकियू नेता (चढ़ूनी) रामपाल चहल और मनजीत चौगावां ने कहा कि पोर्टल पर वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण किसानों को धान बेचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक गेट पास काटने का पोर्टल शुरू नहीं होता और धान की सरकारी खरीद सुचारू रूप से शुरू नहीं की जाती, तब तक किसानों का धरना जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि आसपास की अनाज मंडियों में धान की सरकारी खरीद शुरू हो चुकी है, लेकिन इंद्री मंडी में अभी तक खरीद शुरू नहीं होने से किसान परेशान हैं। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दो घंटे के अंदर मंडी में सरकारी खरीद शुरू नहीं हुई तो वे स्टेट हाईवे पर जाम लगाकर धरना देने को मजबूर होंगे। किसानों ने कहा कि धान की सरकारी खरीद शुरू हुए कई दिन हो चुके हैं, लेकिन इंद्री मंडी में खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं होने से उनकी फसल पिछले कई दिनों से मंडी में पड़ी है। मार्किट कमेटी सचिव अमित ने किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसके बाद मार्किट कमेटी इंद्री के चेयरमैन महेंद्र सिंह पंजोखरा धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि शाम चार बजे तक पोर्टल चालू हो जाएगा। तब तक धान से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सडक़ से मंडी में प्रवेश करने दिया जाएगा। जिसके किसानों ने धरना खत्म कर ताला खोल दिया। इस मौके पर ऋषीपाल खेड़ा, हरप्रीत, रमेश चहल, अशोक , नरेंद्र, सुरेंद्र व राहुल कलसौरा आदि मौजूद रहें ।

बोले अधिकारी

मार्किट कमेटी चैयरमैन महेंद्र सिंह पंजोखरा ने बताया कि अनाज मंडी में धान की सरकारी खरीद शुरू करवा दी गई है। हरियाणा वेयरहाउस द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार 17 प्रतिशत तक नमी वाले धान की खरीद की जा रही है।
वहीं मार्किट कमेटी सचिव अमित ने बताया कि सरकारी खरीद में ढेरी से नाराज किसानों ने कार्यालय पर ताला लगाया था, जिसे खुलवा दिया गया। उन्होंने बताया कि अब तक हरियाणा वेयरहाउस द्वारा करीब 1609 क्विंटल धान की सरकारी खरीद की जा चुकी है और खरीद प्रक्रिया जारी है।

सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य जागरूकता पर महिलाओं को किया प्रेरित

महापौर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सेवा भाव को जमकर सराहा

- महापौर ने आंगन मिलन सेवा और आयुष कार्यशाला में की सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

सेवा संकल्प अभियान–2026 के तहत शनिवार को जनसरोकार और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। गांव बुढ़ाखेड़ा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित आंगन मिलन सेवा में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने मातृशक्ति और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं, बच्चों और परिवारों से जुड़े विषयों पर चर्चा की तथा उनकी बात सुनी।

महापौर ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के साथ महिला सशक्तिकरण व सामाजिक जागरूकता की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बच्चों का स्वस्थ बचपन और महिलाओं का सशक्त भविष्य समाज की प्रगति की मजबूत नींव है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सेवा भाव की सराहना की।

इसी अभियान के तहत आयुष विभाग की ओर से जोंक चिकित्सा विषय पर कार्यशाला एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। महापौर ने कहा कि लोगों को विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों और उपचार विकल्पों की प्रमाणिक जानकारी विशेषज्ञों के माध्यम से मिलनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने जोंक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला अधिकारी डॉ. रामअवतार सिंह, डॉ. रजत गोयल, डॉ. साक्षी ढींगरा, डॉ. दीपक सहित अन्य चिकित्सक व गणमान्य लोग मौजूद रहे। आंगन मिलन सेवा में संयोजक मंजू खैंची, पार्षद बेबी पाल, पार्षद प्रतिनिधि नरेश पाल तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।



तरावड़ी। आंगनबाड़ी में सेवा संकल्प अभियान मे मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।



तरावड़ी। आंगनबाड़ी में सेवा संकल्प अभियान मे मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

आंगन मिलन कार्यक्रम में दी पोषण की जानकारी

तरावड़ी। सेवा संकल्प अभियान के तहत तरावड़ी के वार्ड पांच छह में आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, गर्भवती महिलाएं, 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों की माताएं, किशोरियां एवं बच्चे शामिल हुए। इस दौरान महिलाओं को विभाग की ओर से संचालित योजनाओं एवं उनके लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुख्यअतिथि पार्षद कमल जांगड़ा ने उपस्थित महिलाओं व किशोरियों को अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहने का संदेश दिया इस मौके पर पर्यावरण को लेकर एक पेड़ मां के नाम पर एक पौधा रोपित किया। और संदेश दिया कि आप सभी अपने आसपास एक पेड़ अवश्य लगाएं ।



तरावड़ी। आंगनबाड़ी मे सेवा संकल्प अभियान मे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पार्षद कमल जांगड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए।

महिलाओं व बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

तरावड़ी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत तरावड़ी के वार्ड नंबर तीन धोबी मोहल्ला आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रमा, सहायिका लता रानी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, गर्भवती महिलाएं, 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों की माताएं, किशोरियां एवं बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान महिलाओं को विभाग की ओर से संचालित योजनाओं एवं उनके लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर पर्यावरण को लेकर एक पेड़ मां के नाम पर एक पौधा रोपित किया। उन्होने कहा कि हर किसी को अपने जन्मदिन पर पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रमा ने श्रीमती उमा खुराना को एक स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रमा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए उन्हें नियमित रूप से पौष्टिक एवं संतुलित आहार देना बेहद जरूरी है।



किसान मेले में करनाल के पलविंदर और देवेंद्र को किया गया सम्मानित

करनाल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित दो दिवसीय किसान मेले में करनाल जिले के दो प्रगतिशील किसानों को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारपरक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, उचानी, करनाल की अनुशंसा पर रंभा गांव के किसान पलविंदर सिंह तथा बाल राजपूताना गांव के किसान देवेंद्र सिंह को सम्मान प्रदान किया गया। पलविंदर सिंह को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन एवं उन्नत तकनीकों के प्रयोग तथा देवेंद्र सिंह को फसल विविधीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान मिला। दोनों किसानों को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति डॉ. बलदेव राज काम्बोज ने सम्मानित किया।

अंकुश राणा प्रदेश उपाध्यक्ष, शिवकुमार राणा व अजय चौहान बने स्टेट कोऑर्डिनेटर

करनाल/असंध। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की हरियाणा राज्य इकाई की बैठक नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुश राणा के संयोजन में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, समाज को एकजुट करने और युवाओं को संगठन से जोड़ने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष यशपाल सिंह, हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष महिपाल सिंह, उपाध्यक्ष प्रमोद राणा, महामंत्री हरियाणा मास्टर पवन, समन्वयक हरियाणा सतपाल राणा और उपाध्यक्ष रिंकू राणा मौजूद रहे। बैठक में महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा मानवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार नई नियुक्तियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए।





कंस वध का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

घरौंडा। नगर खेड़े पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास महंत स्वामी विवेकानंद सरस्वती जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े कंस वध के प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। कथा का प्रसंग सुनकर पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। महंत स्वामी विवेकानंद सरस्वती जी महाराज ने कंस के अत्याचार, उसके अहंकार और भगवान श्रीकृष्ण को समाप्त करने के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों का वर्णन करते हुए बताया कि कंस को आकाशवाणी के माध्यम से यह ज्ञात हो गया था कि देवकी की आठवीं संतान ही उसके अंत का कारण बनेगी। इसी भय के कारण कंस ने देवकी और वसुदेव को कारागार में बंद कर दिया और उनके नवजात बच्चों की हत्या कर दी। श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध में कंस के अत्याचार और आगे चलकर उसके वध का वर्णन मिलता है। कथा व्यास ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यकाल में ही कंस द्वारा भेजे गए अनेक राक्षसों का संहार कर उसके अत्याचारों को चुनौती दी। जब कंस को लगा कि श्रीकृष्ण को गोकुल में समाप्त करना संभव नहीं है, तो उसने उन्हें और बलराम जी को मथुरा बुलाने की योजना बनाई। मथुरा पहुंचने के बाद श्रीकृष्ण और बलराम का मल्ल योद्धाओं से मुकाबला हुआ। श्रीकृष्ण ने चाणूर और बलराम जी ने मुष्टिक का वध किया।



जीवी राइस मिल में कथा व्यास देवी चित्रलेखा सम्मानित

तरावड़ी। प्रसिद्ध कथा वाचक एवं आध्यात्मिक वक्ता देवी चित्रलेखा का शनिवार को जी वी राइस मिल में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जी वी राइस मिल के मालिक प्रमोद बंसल एवं विनीत बंसल ने देवी चित्रलेखा को भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने देवी चित्रलेखा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए उनके आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यों की सराहना की। उद्योगपति प्रमोद बंसल एवं विनीत बंसल ने बताया कि देवी चित्रलेखा ने मात्र सात वर्ष की अल्पायु में ही सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार का कार्य शुरू कर दिया था। अपनी आध्यात्मिक प्रतिभा और प्रभावशाली वाणी के माध्यम से उन्होंने देश-विदेश में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को सनातन संस्कृति एवं धार्मिक मूल्यों से जोडने का कार्य किया है। उनके प्रवचनों में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, भारतीय संस्कृति, संस्कार और मानव जीवन में सदाचार के महत्व पर विशेष जोर दिया जाता है। देवी चित्रलेखा आज भारत के साथ-साथ विदेशों में भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों के माध्यम से सनातन धर्म का संदेश पहुंचा रही हैं। उनके आगमन की जानकारी मिलने पर शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने भी उनसे मुलाकात कर पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए स्वागत किया। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के स्मरण और भक्ति का संदेश

भगवान के चिंतन से होती है मन की शुद्धि : चित्रलेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

श्री खाटू श्याम कीर्तन मंडल की ओर से सेक्टर-12 स्थित गोल्डन मोमेंट्स में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा उत्सव में प्रसिद्ध कथा वाचिका देवी चित्रलेखा ने भगवान के चिंतन और मन की शुद्धि का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत का प्रत्येक प्रसंग मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा देने के साथ भगवान की भक्ति और उनके चरणों में मन लगाने की प्रेरणा देता है। देवी चित्रलेखा ने कहा कि श्रीमद्भागवत के दसवें स्कंध को भागवत का हृदय कहा गया है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन मिलता है। भगवान की लीलाओं का स्मरण और चिंतन करने से मन में सकारात्मकता तथा भक्ति का भाव उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि तन की शुद्धि स्नान से, धन की शुद्धि दान से और मन की शुद्धि भगवान के ध्यान एवं चिंतन से होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि संसार के विषयों में उलझकर मन विचलित और अशांत हो जाता है। इसलिए उसी मन को भगवान के चरणों में लगाने का अभ्यास करना चाहिए। नियमित रूप से भगवान का स्मरण और भगवत चिंतन करने से भक्ति का भाव मजबूत होता है। मंडल के अंकुर गुप्ता ने बताया कि 4 अक्तूबर को शाम छह बजे से श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंडल की ओर से कार्यक्रम को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर अंकुर गुप्ता, आशीष गुप्ता, आकाश गुप्ता, रिषभ गुप्ता, अक्षत गुप्ता, तरूण बंसल, तरूण गुप्ता, सौरभ गुप्ता, पवन सिंगला, सुमित गुप्ता, रजत गर्ग, प्रणव गुप्ता, अनुभव बंसल, भावुक बंसल, विकास सिंगला, रोहित गर्ग, योगेश सिंगला, हरीश गोयल, मनीष बंसल, अमित मित्तल, विपिन गुप्ता, आशीष गोयल, अंकुश गोयल, प्रदीप अग्रवाल, अतुल जैन, निखिल गुप्ता, सचिन बंसल, शोभित गुप्ता आदि मौजूद रहे।





न्यूज डायरी



सहकारी चीनी मिल में स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ

करनाल। सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता ही सेवा अभियान और स्वच्छता दिवस के अवसर पर करनाल सहकारी चीनी मिल में स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत करनाल सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक अदिति ने सफाई अभियान चलाकर की। इसमें मिल के किसानों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रबंध निदेशक अदिति ने बताया कि पखवाड़े के दौरान स्वच्छता को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का उद्देश्य कार्यस्थल के साथ-साथ आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाना है।



आर्य समाज के उत्सव में गूंजाव राष्ट्रनिर्माण का संदेश

करनाल। आर्य समाज मंदिर सेक्टर-13 द्वारा आर्य केंद्रीय सभा के तत्वावधान में 2 से 4 अक्तूबर तक आयोजित किए जा रहे 42वें वार्षिक उत्सव के तहत शनिवार को विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह के सत्र का शुभारंभ यज्ञ से हुआ। यज्ञ ब्रह्म आचार्य डॉ. जयेंद्र कुमार नोएडा के ब्रह्मत्व में पंडित शिव प्रसाद, मुन्ना शास्त्री और निर्मल शास्त्री के सहयोग से यज्ञ संपन्न कराया गया। मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. जयेंद्र कुमार ने कहा कि जीवन में ईश्वर की भक्ति को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए। परमात्मा की भक्ति से मनुष्य में अच्छे गुणों का विकास होता है और जीवन में सकारात्मक दिशा मिलती है।

नशा मुक्ति केंद्र पहुंचीं सीजेएम मीनाक्षी यादव



करनाल। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव ने शनिवार को नशा निषेध केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपचाराधीन मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक मार्गदर्शन किया। सीजेएम ने नशा पीड़ितों और उनके परिवारजनों से बातचीत कर उपचार संबंधी जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के इलाज के लिए सिविल अस्पताल में दाखिल होने की पहल को सराहा तथा उन्हें भविष्य में नशे से पूरी तरह दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत से बाहर निकलने के लिए उपचार के साथ दृढ़ इच्छाशक्ति और परिवार का सहयोग भी जरूरी है। मीनाक्षी यादव ने परिवारजनों से अपील की कि वे मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें और उपचार के दौरान उनका पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नशे से मुक्ति की दिशा में मरीज का पहला कदम तभी सफल होगा, जब परिवार उसका मनोबल बढ़ाए और उसे स्वस्थ जीवन जीने के लिए लगातार प्रोत्साहित करे।



देवी चित्रलेखा से मिला मेरा मिशन स्वस्थ भारत दल

करनाल। मेरा मिशन स्वस्थ भारत' टीम के सदस्यों ने मिशन प्रमुख दिनेश गुलाटी के नेतृत्व में योग शिक्षिका निधि गुप्ता के निवास स्थान पर पहुंचकर प्रसिद्ध कथा वाचिका देवी चित्रलेखा से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। टीम की शिक्षिकाओं निधि गुप्ता, नीलम बतला, वीणा धीर और वीणा सेठ ने देवी चित्रलेखा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान दिनेश गुलाटी ने देवी चित्रलेखा को 'मेरा मिशन स्वस्थ भारत' की सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों तथा उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीम पिछले 20 वर्षों से योग के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक कर रही है।



टैगोर बाल निकेतन में सृजन रोबोटिक लैब का उद्घाटन

करनाल। टैगोर बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-6 में शनिवार को विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवाचार से जोड़ने के उद्देश्य से 'सृजन रोबोटिक लैब' का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम करनाल की महापौर रेणु बाला गुप्ता ने रोबोटिक लैब का उद्घाटन किया। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोडिंग और वैज्ञानिक सोच से जोड़ना समय की आवश्यकता है। ऐसी प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों की रचनात्मकता को नई दिशा देने के साथ उनमें समस्या समाधान, तार्किक चिंतन और नवाचार की भावना विकसित करती हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजन लाम्बा ने कहा कि 'सृजन रोबोटिक लैब' विद्यार्थियों के लिए सीखने, प्रयोग करने और अपनी कल्पनाओं को वास्तविक मॉडल में बदलने का महत्वपूर्ण मंच बनेगी।

खबर संक्षेप

संचालक से मारपीट करने के चार आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने आदर्श कॉलोनी स्थित हैडलूम फैक्टरी में घुसकर संचालक से मारपीट करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को शुक्रवार शाम सेक्टर.12 से काबू किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोविंद निवासी सेक्टर 11, आशीष व पंकज निवासी गंगापुरी रोड वाल्मीकि बस्ती तथा अमित निवासी राजीव कॉलोनी के रूप में हुई है। थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर किरण ने बताया कि सेक्टर 25 निवासी वंश ने पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अपने पिता संजय के साथ आदर्श कॉलोनी स्थित हैडलूम फैक्टरी में काम करता है। गत 24 अगस्त की शाम वह अपने पिता के साथ एक्टिवा पर गंगापुरी रोड से जा रहा था। रास्ते में गोविंद लाल अपने दुकान के बाहर बैठा था। आरोप है कि उसने संजय को अपशब्द कहे। शिकायत के अनुसार संजय ने बाइक धीमी कर इसका कारण पूछा तो गोविंद ने फैक्टरी में आकर सबक सिखाने की धमकी दी।

इंजीनियरिंग छात्राओं की कार को बोलेरो ने मारी जोरदार टक्कर

पानीपत। पाइट इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित स्टार नाइट कार्यक्रम से लौट रही इंजीनियरिंग की छात्राएं शुक्रवार देर रात भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गईं। लघु सचिवालय के समीप एक तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी क्रेटा कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और काफी दूर तक सड़क पर घिसटते चले गए। हादसे के समय क्रेटा के एयरबैग खुल जाने से कार सवार छात्राओं की जान बच गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और आसपास के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने क्षतिग्रस्त कार में फंसी छात्राओं को बाहर निकाला। हादसे से छात्राएं काफी डरी.सहमी नजर आईं। बताया गया है कि छात्राएं पानीपत सेक्टर.11 की रहने वाली हैं और शुक्रवार रात पाइट कॉलेज में आयोजित प्लेबैक सिंगर अमित मिश्रा की स्टार नाइट में शामिल होकर वापस लौट रही थीं।

विद्यार्थियों व ग्रामीणों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

पानीपत। नशे के खिलाफ पानीपत पुलिस का जागरूकता अभियान लगातार जारी है। शनिवार को नशा मुक्त अभियान टीम ने गांव धर्मगढ़ के सरकारी स्कूल में विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। इसके बाद टीम ने गांव में डोर.टू.डोर अभियान चलाकर ग्रामीणों को नशे की रोकथाम में सामूहिक जिम्मेदारी का महत्व समझाया। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि युवा देश की ताकत और भविष्य हैं। नशे की लत उनकी ऊर्जा, प्रतिभा और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा अपने साथियों को भी इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने का आह्वान किया गया। नशा मुक्त अभियान के जिला नोडल अधिकारी डीएसपी प्रणय कुमार ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार और समाज की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

कुरुक्षेत्र विवि में 28 को हुई बैडमिंटन वूमेन चैंपियनशिप

बैडमिंटन चैंपियनशिप में वैश्य कॉलेज की छात्राएं रनर-अप



पानीपत। बैडमिंटन चैंपियनशिप में रनर-अप रहने वाली वैश्य कन्या कालेज की छात्राएं।



पानीपत। चेस टीम का कालेज पहुंचने पर स्वागत करते प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा व अन्य । फोटो : हरिभूमि

> टीम ने दयाल सिंह कॉलेज और गवर्नमेंट कॉलेज करनाल को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 28 सितंबर को हुई इंटर कॉलेज बैडमिंटन वूमेन चैंपियनशिप के जोन बी करनाल में वैश्य कन्या महाविद्यालय समालखा की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। टीम ने दयाल सिंह कॉलेज और गवर्नमेंट कॉलेज करनाल को हराया। बीए अंतिम वर्ष की पलक व स्नेहा तथा बीए प्रथम वर्ष की मानसी व महक ने प्रतियोगिता में भाग लिया। कप्तान पलक ने टीम का नेतृत्व किया। नीतू, प्रधान वीर प्रकाश जैन, रमेश मित्तल और प्राचार्या प्रो.डॉ.सुमन दहिया ने छात्राओं को बधाई दी।

एसडी पीजी कॉलेज की महिला चेस टीम बनी रनर-अप

पानीपत। एसडी पीजी कॉलेज की महिला चेस टीम ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शतरंज चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल कर रनर-अप ट्रॉफी जीती। नवजिश और मृदुल का ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चेस चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। जिसका आयोजन कानपुर में होगा। टीम ने एमएन कॉलेज अमला को 4-0, आर्य कॉलेज पानीपत को 3-1 और खालसा कॉलेज यमुनानगर को 4-0 से हराया। प्रधान दिनेश गोयल, प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा, डॉ.सुशीला बेनीवाल, प्रो.नीलम और ग्राउंड्समैन राम प्रताप ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। डॉ.अनुपम अरोड़ा ने कहा कि शतरंज से एकाग्रता, स्मरण शक्ति और तार्किक सोच विकसित होती है।

कशिश सलूजा को नारी कल्याण समिति ने किया सम्मानित

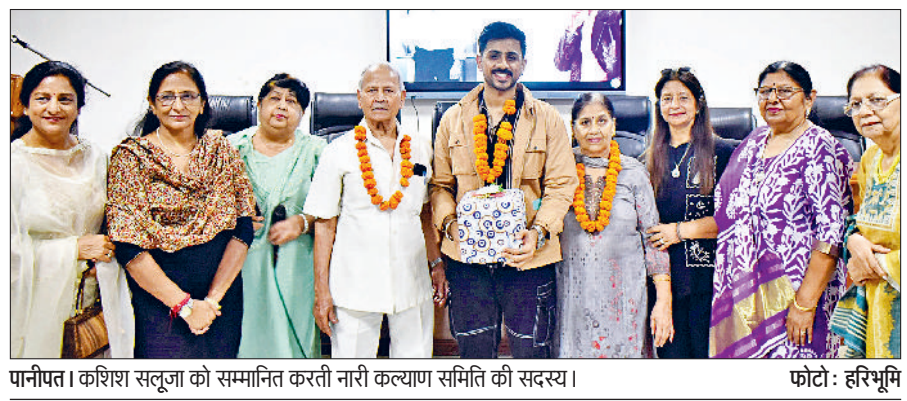

पानीपत। कशिश सलूजा को सम्मानित करती नारी कल्याण समिति की सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

- विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर मेहनत करने का संदेश दिया

आर्य पीजी कॉलेज में नारी कल्याण समिति की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पानीपत के होनहार छात्र कशिश सलूजा को द रेवोल्यूशनरी वेब सीरीज में करतार सिंह सराभा की ऐतिहासिक भूमिका निभाने पर सम्मानित किया गया। कशिश ने अपने अभिनय सफर और भूमिका की तैयारी के अनुभव सांझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर मेहनत करने का संदेश दिया। समिति प्रधान कंचन सागर ने कशिश को आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंच संचालन मोनिका सलूजा ने किया। उपप्रधान सरोज आहूजा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर सुमन सिंगला, राज नंदा, नीलम मेहता, सरोज आहूजा और अन्नू सेठ मौजूद रहीं। कशिश के दादा-दादी और भाई माहिर सलूजा भी उपस्थित रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने भी कशिश को शुभकामनाएं दी।

खादी बिक्री केंद्र का औचक निरीक्षण 25 प्रतिशत छूट की जानकारी दी

पानीपत। क्षेत्रीय पंजाब खादी मंडल के अध्यक्ष दलबीर सिंह ने स्काईलार्क रोड स्थित पंजाब खादी बिक्री एवं कार्यालय केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए। दलबीर सिंह ने महात्मा गांधी के स्वदेशी, स्वावलंबन, सत्य और अहिंसा के विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया। हरियाणा में गोहाना, पानीपत और अंबाला तीन मंडल हैं। सभी खादी बिक्री केंद्रों पर 2 अक्टूबर से 25 प्रतिशत विशेष छूट लागू है जो 31 जनवरी तक जारी रहेगी। इस अवसर पर सचिन, सतीश कुमार, सरदार पलविंदर सिंह, राजेश मिश्रा और राजेंद्र नाथ पांडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



पानीपत। बैठक में पहुंचे पदाधिकारियों का स्वागत करते क्षेत्रीय पदाधिकारी ।

खटीक समाज महासम्मेलन की तैयारियां तेज, मोहन मोंगा जिला अध्यक्ष नियुक्त

पानीपत। अखिल भारतीय खटीक समाज संगठन की स्काईलार्क में हुई बैठक में 25 अक्टूबर को प्रस्तावित राज्यस्तरीय महासम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ.रामनाथ मोंगा ने की और राष्ट्रीय महासचिव डॉ.सीपी महिन्द्रा मुख्य वक्ता रहे। मोहन मोंगा को पानीपत जिला अध्यक्ष और अमित मुंडे को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया। महासम्मेलन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद डॉ.भोला सिंह बड़ग़ुर्जर, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यमंत्री दिनेश खटीक और राज्यमंत्री सुरेन्द्र मोगा सहित अन्य नेताओं के शामिल होने की जानकारी दी गई। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार कटारिया ने भी संदेश दिया। बैठक में रघुबीर बड़ग़ुर्जर, राजेंद्र खींची, मंजू चौहान बागड़ी, कुलदीप मोंगा, ओम प्रकाश बड़ग़ुर्जर, करणपाल, राजू राणा, रोहित बड़ग़ुर्जर, सचिन मदान और उत्तर कुमार मौजूद रहे।

स्वयंसेवकों ने स्वच्छता की ली शपथ



पानीपत। विद्यार्थियों के साथ अनुभव सांझा करते हुए कशिश सलूजा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज की एनएसएस इकाई ने गांधी जयंती के अवसर पर 1 से 3 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की। तीसरे दिन नारी कल्याण समिति की ओर से अभिनेता कशिश सलूजा ने शहीद करतार सिंह सराभा पर आधारित वेब सीरीज में अपनी भूमिका के अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए। प्राचार्य प्रो.डॉ.जगदीश गुप्ता और उपाचार्या डॉ.अनुराधा सिंह ने उनका स्वागत किया। एनएसएस प्रभारी डॉ.विजय सिंह व डॉ.सोनिया सोनी ने बताया कि पहले दिन एचआईवी-एड्स जागरूकता बाइक रैली और दूसरे दिन स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता की शपथ भी ली।

आईबी कॉलेज के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज के इतिहास विभाग के कल्चर हेरिटेज क्लब की ओर से 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक विरासत सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत इतिहास विषय के 54 विद्यार्थियों ने पानीपत संग्रहालय, काला आम और काबुली बाग मस्जिद का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष डॉ.नरवीर, सहायक प्रोफेसर रवि, सहायक प्रो.बिजेंद्र और सहायक प्रो.चारू के निर्देशन में ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी ली। प्राचार्य डॉ.सतवीर सिंह ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से विद्यार्थियों का उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। डॉ.नरवीर ने कहा कि भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी विरासत के प्रति जागरूक करना है।



पानीपत। ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

प्राथमिक शिक्षकों के छह दिवसीय प्रशिक्षण में गणित शिक्षण पर दिया जोर



पानीपत। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल भापरा में प्राथमिक शिक्षकों के छह दिवसीय प्रशिक्षण के पांचवें दिन डाइट से गणित विशेषज्ञ अनिल कुमार, अजय और यशपाल ने विजिट किया। अनिल कुमार ने प्राथमिक स्तर पर गणित को सरल तरीके से पढ़ाने की जानकारी दी। यशपाल ने प्राथमिक शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। ट्रेनर रेनू एबीआरसी ने एफएलएन कक्षा में गणित को रोचक बनाने के तरीके बताए। एफएलएन कोऑर्डिनेटर बलराज ने प्रशिक्षण में सीखी बातों को विद्यालयों में लागू करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बीआरपी सुनील कुमार, मोंटी, मोनिका, एबीआरसी बबीता, हरीश कुमार, मुख्य शिक्षक राजपाल मित्तल, बृजेश सिंह, नारायण सिंह, सुमन, प्रेमलता, अनीता, प्रदीप, पवन सिंह व पुष्पेंद्र सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

यूजीसी एक्ट लागू न करने की मांग

- सवर्ण समाज ने जताई दुरुपयोग की आशंका



समालखा। यूजीसी को लेकर छदिया में आयोजित बैठक में भाग लेते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

समालखा हलके के छदिया गांव की चौपाल में आज प्रस्तावित यूजीसी एक्ट को लेकर स्वर्ण समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून के प्रावधानों और इसके संभावित प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने सरकार से प्रस्तावित कानून को लागू न करने की मांग की। बैठक को संबोधित करते हुए प.सूरत सिंह, पूर्व सरपंच सतनारायण और प.गंगा स्वरूप ने कहा कि प्रस्तावित यूजीसी एक्ट के प्रावधानों के दुरुपयोग की आशंका है। उन्होंने कहा कि यदि कानून का गलत इस्तेमाल हुआ तो स्वर्ण समाज के युवाओं और बच्चों को झूठे मामलों में फंसाए जाने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इससे विभिन्न बिरादरियों के बीच आपसी भाईचारे पर भी प्रतिकूल असर पडने की आशंका है। वक्ताओं ने सरकार से अपील की कि कानून लागू करने से पहले इसके प्रावधानों और सामाजिक प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सवर्ण समाज इस कानून को लागू किए जाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार हैं। इसलिए आरक्षण का आधार आर्थिक स्थिति को बनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर प.मुकेश शर्मा, सोनू शर्मा, डॉ.इंद्र, सुंदर मास्टर, कृष्ण भगत, प्रदीप, शुभम शर्मा, अनुज शर्मा, निखिल शर्मा, आशु, अजय, हरीश व कमल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ब्रह्मज्ञान की अमोघ पद्धति नशा उन्मूलन में सहायक



पानीपत। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से कटारिया लैंड सेक्टर 12 में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठे दिन साध्वी कालिन्दी भारती ने नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, तनाव और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। समाज की समस्याओं का समाधान मन के स्तर पर जरूरी है और ब्रह्मज्ञान से विवेक शक्ति जागृत होती है। उन्होंने बताया कि संस्थापक आशुतोष महाराज के मार्गदर्शन में बोध नशा उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

गेहूं पर 25 रुपये बोनस अन्नदाता के साथ मजाक : मोनू

बापौली। जिला महासचिव ओबीसी कांग्रेस कमेटी एवं राष्ट्रीय सचिव स्व.राजेश पायलट किसान संगठन इंडिया मोनू रावल ने गेहूं पर 25 रुपये प्रति क्विंटल बोनस को अपर्याप्त बताते हुए इसे 100 रुपये करने की मांग की।



मोनू रावल

- डीजल, खाद बीज और कीटनाशकों की बढ़ती कीमतों से किसानों की लागत बढ़ी

डीजल, खाद, बीज और की ट ना श कों की बढ़ती कीमतों से किसानों की लागत बढ़ी है। सरकार को किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए बोनस राशि बढ़ानी चाहिए।

समारोह में 450 से अधिक विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं

राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से युवा तय करें विकसित भारत की दिशा : डॉ.अर्चना

> राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल, अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत



पानीपत। डा .अर्चना गुप्ता को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.अर्चना गुप्ता ने गीता यूनिवर्सिटी, पानीपत के तीसरे दीक्षांत समारोह में युवाओं से अपनी प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के पुरुषार्थ से विकसित भारत 2047 का संकल्प साकार होगा। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल, अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया। समारोह में 450 से अधिक स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर चांसलर एसपी बंसल, चेयरपर्सन गीता बंसल, प्रो.चांसलर निशांत बंसल, प्रो.चांसलर अंकुश बंसल, डॉ.नेहा गुप्ता, विनीत, कुलपति डॉ.मनोज मनूजा, प्रो.वाइस चांसलर डॉ.गुलशन चौहान और रजिस्ट्रार डॉ.अमित गुप्ता मौजूद रहे।

राजभाषा सम्मेलन में पानीपत रिफाइनरी को मिला सम्मान



मतलौडा। एमएल डहरिया हिंदी के लिए पुरूस्कार प्राप्त करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मतलौडा

- सम्मान राज्यसभा सांसद डॉ.नरेश बंसल की ओर से प्रदान किया गया

नई दिल्ली के स्कोप कॉम्प्लेक्स में आयोजित राष्ट्रीय राजभाषा सम्मेलन में पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को हिंदी के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। नगर राजभाषा समिति के अध्यक्ष एवं रिफाइनरी प्रमुख एमएल डहरिया को सर्वश्रेष्ठ नगर राजभाषा समिति अध्यक्ष तथा नगर राजभाषा समिति पानीपत को सर्वश्रेष्ठ नगर राजभाषा समिति का पुरस्कार मिला। सम्मान राज्यसभा सांसद डॉ.नरेश बंसल की ओर से प्रदान किया गया। रिफाइनरी की ओर से संजय कुमार, महाप्रबंधक तथा आशुतोष चंद्र झा, सहायक प्रबंधक हिंदी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

विशेष लोक अदालत का आयोजन किया

अंबाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में विभिन्न श्रेणियों के मामलों का निपटारा किया गया, ताकि न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया सरल, तीव्र एवं सुलभ बनाई जा सके। लोक अदालत में एनआईएसीटी 138 चेक बाउंस अन्य समझौता योग्य मामलों पर पक्षकारों के बीच सहमति बनाकर निपटारा किया गया। लोक अदालत में निपटाए गए मामलों पर कोई अदालती शुल्क देय नहीं होता तथा पक्षकारों को निर्णय के विरुद्ध अपील का अधिकार प्राप्त नहीं होता। सीजेएम गीतांजलि गोयल ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य आम नागरिकों को लंबी कानूनी प्रक्रिया और अतिरिक्त व्यय से मुक्ति दिलाकर न्याय तक सीधी पहुंच प्रदान करना है।

समारोह में 125 से अधिक लोगों ने भाग लिया

अंबाला। रोटरी क्लब ऑफ़ अंबाला (डिस्ट्रिक्ट 3080) द्वारा अंबाला कैंट स्थित कुमारी रुक्मणी देवी हॉल में प्रतिष्ठित नेशन बिल्डर अवार्ड समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। समारोह में 125 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिनमें सम्मानित होने वाले शिक्षक, उनके गौरवान्वित परिवारजन, विभिन्न रोटरी क्लबों से आए रोटेरियन तथा शहर के गणमान्य नागरिक शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मोटिवेशनल स्पीकर विवेक अत्रे व विशिष्ट अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. रीता कालरा और डॉ. संजय कालडा उपस्थित रहे। रोटरी क्लब ऑफ अंबाला के प्रेसिडेंट विवेक मल्होत्रा ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ई-रिक्शा की बैट्री चोरी का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र रविदास बस्ती के पास से ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता मुकेश कुमार ने 1 अक्तूबर 2026 को शिकायत दी थी कि 30 सितंबर से 1 अक्तूबर 2026 के बीच आरोपी ने उसकी ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी की हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई की। अब पुलिस ने चोरी के आरोप में योगेश उर्फ अमन निवासी बादशाही बाग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लिया है।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव पुलिस ने गांव नन्हेड़ा के पास से सामान चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही राजेश कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता सतीश कुमार वासी गांव गुमथला ने 8 सितंबर 2026 को शिकायत दी थी कि 29 अगस्त 2026 से 2 सितंबर 2026 के बीच गांव नन्हेड़ा के पास से आरोपियों ने एयरटेल फाईबर केवल, ड्रम, 6 बंडल ड्रकट पाइप व अन्य सामान चोरी किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी मोहम्मद ईमाम व शंभू कुमार को गिरफ्तार किया था।

वादे से मुकरे मुख्यमंत्री, चुनाव से पहले किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का किया था ऐलान : चौधरी

सांसद ने अनाजमंडी में धान खरीद की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

अनाज मंडी में धान खरीद व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए। शनिवार को मंडी दौरे के दौरान सांसद ने किसानों और आढ़तियों से बातचीत कर खरीद प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों से वादे तो बड़े किए लेकिन मंडियों में उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ने धान की खरीद 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की घोषणा की थी। इसके बावजूद किसान कम कीमत पर धान बेचने को मजबूर हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किसानों को घोषित कीमत का लाभ क्यों नहीं मिल रहा। उन्होंने 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर सत्यापन लंबित होने को लेकर भी सवाल उठाए।

सरकार से किसानों की पूरी उपज खरीदने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग

किसान कम कीमत पर धान बेचने को मजबूर

वरुण चौधरी ने कहा कि जब धान की सरकारी खरीद 29 सितंबर से शुरू होनी थी तो उससे पहले किसानों की फसल और क्षेत्र का सत्यापन पूरा क्यों नहीं करवाया गया। मंडी में फसल लेकर पहुंच चुके किसानों को पोर्टल की औपचारिकताओं के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। सांसद ने धान की प्रति एकड़ खरीद की नई जिलावार सीमा पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अंबाला में 26.26 क्विंटल, यमुनानगर में 27.73 और कुरुक्षेत्र में 29.26 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तय किए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में सवाल है कि निर्धारित सीमा से अधिक उत्पादन करने वाले किसान अपनी अतिरिक्त फसल कहां बेचेंगे। उन्होंने सरकार से किसानों की पूरी उपज खरीदने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।



बराड़ा। मंडी में फसल खरीद व्यवस्था का जायजा लेते हुए सांसद। फोटो : हरिभूमि

समय पर उठान जरूरी

चौधरी ने राइस मिलर्स के साथ एग्रीमेंट को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि खरीद के बाद मंडियों से धान का समय पर उठान जरूरी है। यदि सरकार ने राइस मिलर्स के साथ एग्रीमेंट नहीं किया है तो खरीदा गया धान कहां जाएगा और उसका उठान कब होगा, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। साथ ही किसानों को भुगतान की समयबद्ध व्यवस्था भी सार्वजनिक की जाए। सांसद ने कहा कि किसान पहले ही बढ़ती लागत, मौसम और बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान है। अब पोर्टल, खरीद सीमा, उठान और भुगतान की समस्याएं उसकी मुश्किलें और बढ़ा रही हैं।

एसडीएम ने धान खरीद के कार्य का लिया जायजा

1,36,101 क्विंटल धान की हुई आवक 56,272 क्विंटल की खरीद का काम पूरा

संबंधित अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित रखने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭शहजादपुर

एसडीएम शिवजीत भारती ने नारायणगढ़ अनाज मंडी का दौरा कर धान खरीद कार्यों और मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में पहुंच रही धान की फसल की गुणवत्ता, नमी की मात्रा तथा खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने धान की नमी की जांच भी करवाई और संबंधित अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित रखने के निर्देश दिए। एसडीएम ने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से बातचीत करते हुए धान की खरीद तथा मंडी में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल का निर्धारित नियमों के अनुसार समय पर खरीद करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि धान खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को मंडी में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ नमी की जांच और खरीद कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी मंडी में व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखें और किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान करें। मार्केट कमेटी के सचिव अखिलेश कुमार ने बताया कि उनके दायरे में नारायणगढ़ अनाज मंडी, भरेड़ी खरीद केंद्र तथा बेरखेड़ी खरीद केंद्र में कुल 1,36,101 क्विंटल धान की आवक हो चुकी है। इसमें से 56,272 क्विंटल धान की खरीद सरकारी एजेंसी द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,461 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा चुकी है।



शहजादपुर। मंडी में धान खरीद की व्यवस्थाओं का जायजा लेती एसडीएम।

ये रहे मौजूद

उन्होंने बताया कि मंडी में धान की खरीद फूड सप्लाई विभाग द्वारा की जा रही है। निर्धारित मानकों के अनुसार 17 प्रतिशत तक नमी वाली धान की खरीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए मंडी में साफ-सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट तथा बिजली की समुचित व्यवस्था की गई है। सचिव ने बताया कि मंडी की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी कैमरों और चौकीदारों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा मंडी के तीनों गेटों पर किसानों की सुविधा के लिए गेट पास काटने के काउंटर बनाए गए हैं ताकि मंडी में फसल लेकर आने वाले किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन नरेंद्र राणा कुराली, वाइस चेयरमैन भूषण अग्रवाल, मंडी प्रधान संदीप चौधरी, हनीश सैनी, मंडी के आढ़ती, सेलर संगठन के प्रतिनिधि, ऑक्शन रिकॉर्डर रविंद्र कुमार सहित किसान मौजूद रहे।



अंबाला। कार्यक्रम में छात्राओं से बातचीत करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को तनाव से निपटने के लिए दी प्रभावी जानकारी

- विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

अंबाला छावनी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 में गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज के सहयोग से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यक्तिगत, सामाजिक एवं जीवन-कौशल विकास के साथ उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन एवं भावनात्मक कल्याण, सजगता एवं मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, उद्यमशीलता एवं व्यावसायिक कौशल, गणित एवं संगणनात्मक चिंतन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बेहतर उत्तर प्राप्त करने के लिए प्रभावी निर्देश लेखन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवादात्मक एवं गतिविधि-आधारित सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने तथा शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार एवं प्रभावी उपयोग के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विशेषज्ञों के साथ संवाद किया और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

आभार जताया

विद्यालय के प्राचार्य हरिंद्र सिंह लांबा ने गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज से पधारी डॉ. रैना भाटिया और उनकी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा-अधिगम से आगे बढ़कर व्यावहारिक ज्ञान, जीवन-कौशल, तकनीकी दक्षता एवं भविष्य की चुनौतियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी अनुभव रहा।

टूर के नाम पर 3.27 लाख की ठगी

- ग्रुप बनाकर आरोपियों पर कई लोगों से ठगी करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

दिल्ली की एक टूर एंड ट्रैवल कंपनी ने 70 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक से वियतनाम टूर पैकेज के नाम पर 3,27,000 रुपये ऐंठ लिए। विरोध करने और पूरे बुकिंग वाउचर मांगने पर आरोपियों ने पीड़ित बुजुर्ग को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस अधीक्षक के आदेश और आर्थिक अपराध शाखा की जांच के बाद केस दर्ज किया है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के 70 वर्षीय रविंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली स्थित एडमायर टूर एंड हॉलिडे प्राइवेट लिमिटेड (द्वारका मोड़) के प्रतिनिधियों ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने वियतनाम की यात्रा के लिए हवाई टिकट, होटल, साइट सीइंग और वीजा व्यवस्था का आकर्षक प्रस्ताव दिया। आरोपियों के झांसे में आकर पीड़ित ने अपने, अपनी पत्नी संयोगिता और 70 से अधिक वर्ष के पिता बाल किशन के लिए कुल 3.27 लाख रुपये कंपनी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी अपनी बात से मुकर गए। आरोपियों ने उनके पैसे तक वापिस नहीं किए। जांच अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर संबंधित बैंक खातों, व्हाट्सएप चैट, पेमेंट ट्रांसफर रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है।

हत्या की भी धमकी दी

ठगी को अंजाम देने के लिए संदीप (सुकांत नओगी), आरती सरकार, अदिति सरकार और झा नाम के व्यक्तियों ने वियतनाम ट्रिप (5597) 15 अगस्त 2026 नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। पीड़ित के अनुसार, इस ग्रुप में शामिल कुल 24 लोगों से टूर के नाम पर कुल 26,16,000/- वसूले गए लेकिन किसी को भी सेवाएं नहीं दी गईं। रविंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली से हनोई की जाने की टिकट व वीजा तो दिया गया लेकिन जब उन्होंने वापसी की एयर टिकट और होटल बुकिंग के कंफर्म वाउचर मांगे तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि उन्होंने यात्रा नहीं की तो जाने की टिकट भी रद्द कर दी जाएगी और पैसे वापस नहीं मिलेंगे। साथ ही बुजुर्ग को जान से मारने की भी धमकी दी गई।

विद्यार्थियों को प्रिंट बनाने की कला सिखाई

- टाई एंड डाई विषय पर किया कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

अंबाला छावनी स्थित आचार्य रघुवीर गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा टाई एंड डाई विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रागिनी मिश्रा रही। प्रिंसिपल डॉ. देसराज बाजवा ने प्रो. रागिनी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से विद्यार्थियों के समक्ष अपना रोजगार करने के नए नए विचार सामने आए हैं। डॉ. रागिनी ने विद्यार्थियों को बड़े विस्तार से दुपट्टा, बेडशीट, तकिए पर सुंदर प्रिंट बनाने सिखाए। डॉ. रागिनी ने बताया कि विद्यार्थी इस तरह के काम सीखकर अपना व्यवसाय भी शुरू कर सकती हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. देस राज बाजवा, रजिस्ट्रार डॉ. गुरविंदर सिंह,महिला विकास प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. रोहिणी एवं अन्य सदस्यों द्वारा एक पौधा भेंट करके डॉ. रागिनी के प्रति आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला विकास प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों द्वारा पूर्ण सहयोग दिया गया। इस अवसर पर डॉ. मनीषा, प्रो. शिल्पा, इंद्रेश अग्रवाल, प्रो. मनीषा रावत, प्रो. नेहा, डॉ. ऋचा , डॉ. शिल्पा भी उपस्थित रही।



अंबाला। बनाए गए प्रिंट दिखाती छात्राएं।

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में निकाली जाएगी शोभा यात्रा

जींद। इस बार अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में जींद शहर में कई साल के बाद भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में हाथी, घोड़े और कई तरह के बैंड आकर्षण का केंद्र रहेंगे। यात्रा के दौरान हाथी पर सवार महाराजा अग्रसेन और 18 घोड़ों पर सवार उनके 18 बेटों के किरदार देखने योग्य होंगे। शोभा यात्रा को कामयाब बनाने को लेकर समस्त अग्रवाल समाज तैयारियों में जुटा है। बाल धर्मार्थ अस्पताल के प्रधान ईश्वर गोयल अग्रवाल समाज के प्रधान राजकुमार गोयल के प्रतिष्ठान पर अग्रसेन जयंती को कामयाब बनाने को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ एसडी स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के उप प्रधान राजीव गोयलए अग्रवाल वेलफेयर सोसायटी के कार्यकारी सदस्य अनिल दीवान, एसडी स्कूल कमेटी के कार्यकारी सदस्य अमित दीवान इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह शोभा यात्रा अग्रसेन जयंती की पूर्व संध्या पर 10 अक्टूबर को निकाली जाएगी। यात्रा रेलवे फाटक चक्कर रोड के पास स्थित गोपी राम धर्मशाला से शुरू होगी ,जो घंटाघर चौक, पालिका बाजार, सिटी पुलिस स्टेशन, रानी तालाब, गोहाना रोड के रास्ते अर्बन स्टेट स्थित अग्रवाल धर्मशाला पर समाप्त होगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

रैली सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने लोगों को किया जागरूक

प्लास्टिक को कहें ना, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

- एकल-उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के प्रयोग से पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी दी।

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के तहत शनिवार को प्लास्टिक मुक्त जागरूकता अभियान- प्लास्टिक को कहें ना कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने लोगों को प्लास्टिक की थैलियों, डिस्पोजेबल कप-प्लेट, बोतल सहित अन्य एकल-उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के अत्यधिक इस्तेमाल से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही प्लास्टिक का उपयोग कम करने और इसके स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया।



बराड़। रैली निकालते हुए स्टूडेंट्स और स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

अनावश्यक इस्तेमाल से बचने का संदेश

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनमें सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, सेवा भावना और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना भी जरूरी है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशुतोष शर्मा के नेतृत्व एवं समन्वय में आयोजित अभियान में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए प्लास्टिक के अनावश्यक इस्तेमाल से बचने का संदेश दिया।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव को किया जागरूक

जींद। उपस्वास्थ्य केंद्र रिटोली में स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव तथा स्वाइन फ्लू को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान फीवर मास सर्वे किया गया और बुखार से पीड़ित मरीजों के रक्त नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए। स्वास्थ्य कर्मचारी निर्मल सिंह मोरखी, आनंद शर्मा और पूजा शर्मा ने ग्रामीणों को डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया सहित मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। निर्मल सिंह ने बताया कि बरसात और गर्मी के मौसम में मच्छरों की संख्या बढ़ने से इन बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देना जरूरी है। ग्रामीणों को घरों के आसपास रखे कूलर, गमले, पुराने टायर और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करने तथा पानी के बर्तनों को ढक कर रखने की सलाह दी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 अक्टूबर 2026

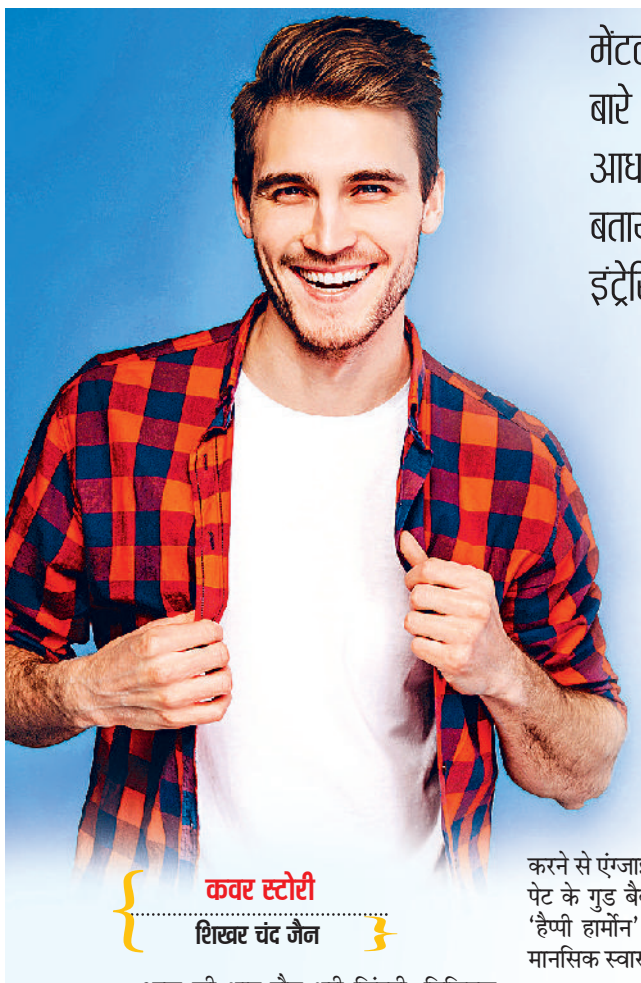

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

स्पेशलः मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।

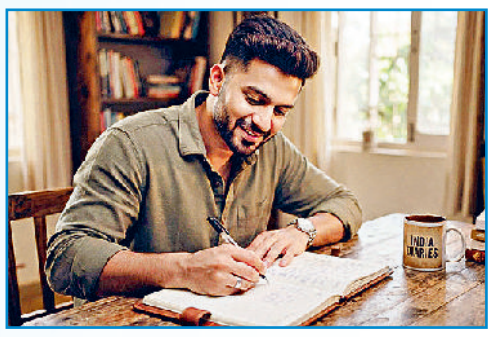



कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।

क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।





वॉर्म्थ थेरेपीः गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। *



न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।





अच्छे खाने से मिले खुशीः भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉगः जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशनः आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्सः हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। *



गजल
कृष्ण बिहारी

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्धम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।



एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। *

लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया

अनुभवी



कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र



टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' *

पत्रिकाः बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए, प्रकाशन स्थलः शालीमार बाग, नई दिल्ली

विशेषः इंडियन एयर फोर्स डे, 8 अक्टूबर

सुरक्षा-पराक्रम-सेवा की मिसाल भारतीय वायु सेना

आसमान की ऊंचाइयों से देश की सीमाओं की चौकसी, दुर्गम मोर्चों पर साहस और संकट की घड़ी में नागरिकों के लिए जीवनरक्षक बनकर उतरना- भारतीय वायु सेना की पहचान बहुआयामी है। वायु सेना दिवस (8 अक्टूबर) के अवसर पर आपको भी जानना चाहिए भारतीय वायु सेना की विशिष्टताओं और इसकी निरंतर बढ़ती शक्ति के बारे में।



गर्व
शिखर चंद जैन

भारतीय वायु सेना, देश की सीमाओं की रक्षा करने वाली सशस्त्र सेनाओं का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और गौरवशाली अंग है। 8 अक्टूबर 1932 को स्थापित हुई हमारी वायु सेना आज अपनी बेजोड़ युद्धक क्षमता, अत्याधुनिक तकनीकों और मानवीय दृष्टिकोण के कारण दुनिया भर में एक मिसाल बन चुकी है। 'नभः स्पृशं दीप्तम्' यानी 'गर्व के साथ आकाश को छुओ', इस आदर्श वाक्य को चरितार्थ करने वाली हमारी वायु सेना न केवल युद्ध के मैदान में दुश्मनों के छक्के छुड़ाती है, बल्कि शांति काल में भी देश के नागरिकों की जीवन रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहती है।

सबसे ऊंचे और कठिन क्षेत्रों में संचालनः भारतीय वायु सेना के पास दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण और ऊंचे इलाकों में विमान उड़ाने का अनूठा अनुभव है। लद्दाख में स्थित दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी पर 16,604 फीट की ऊंचाई पर विमान उतारकर वायु सेना ने एक विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। इसके अलावा, सियाचिन ग्लेशियर पर 22,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित सैन्य चौकियों तक नियमित रसद और जीवन रक्षक सामग्रियां पहुंचाना वायु सेना के हेलीकॉप्टर पायलटों के अदम्य साहस को दर्शाता है।

एशिया का सबसे बड़ा वायु सेना स्टेशन- हिंडन एयरबेसः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित हिंडन एयरबेस भारतीय वायु सेना का एक प्रमुख रणनीतिक केंद्र है। यह पूरे एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का सातवां सबसे बड़ा वायु सेना स्टेशन माना जाता है। यह एयरबेस देश की राजधानी दिल्ली की सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। यहीं से कई बड़े सैन्य अभियानों का संचालन और समन्वय किया जाता है।

युद्धों और सैन्य अभियानों का गौरवशाली इतिहासः आजादी के बाद से भारतीय वायु सेना ने देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए कई बड़े युद्धों में हिस्सा लिया है, जिनमें 1947, 1965, 1971 और 1999 (कारगिल युद्ध) के भारत-पाकिस्तान युद्ध तथा 1962 का भारत-चीन युद्ध शामिल हैं। इनके अलावा ऑपरेशन मेघदूत (1984) सियाचिन ग्लेशियर पर नियंत्रण पाने के लिए चलाया गया ऐतिहासिक अभियान था। जबकि ऑपरेशन सफेद सागर (1999) के नाम से कारगिल युद्ध के दौरान पहाड़ों की चोटियों पर छिपे घुसपैठियों पर सटीक हवाई हमले किए गए। बहुचर्चित बालाकोट एयरस्ट्राइक (2019) आतंकवाद के खिलाफ सीमा पार जाकर की गई आधुनिक सर्जिकल स्ट्राइक का सबसे बेहतरीन उदाहरण बन गया।



पिछले साल मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ निर्णायक और सटीक कार्रवाई करके दुनिया भर में अपनी धाक जमा ली।

विश्व की तीसरी सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाः भारतीय वायुसेना, अमेरिका और रूस की वायु सेना के बाद दुनिया की तीसरी सर्वश्रेष्ठ वायु सेना है। लगभग 1,40,000 से अधिक सक्रिय सैनिकों और 1,500 से अधिक विमानों के विशाल बेड़े के साथ यह एशिया और वैश्विक स्तर पर रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में एक बड़ी भूमिका निभाती है। भारतीय वायु सेना के पास विभिन्न प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए एक बेहद संतुलित और अत्याधुनिक विमानों का बेड़ा है। इस बेड़े में राफेल, सुखोई, मिराज और मिग-29 जैसे दुनिया के अत्याधुनिक और बेहतरीन लड़ाकू विमान शामिल हैं।

स्वदेशीकरण में बड़ी छलांगः हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित 'तेजस' एक हल्का, बहुउद्देशीय और चौथी पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान है जिसे वायु सेना में शामिल किया गया है। इसके अलावा, भारत में ही निर्मित 'प्रचंड' हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' वायु सेना की मारक क्षमता को बढ़ा रहे हैं, जो ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी दुश्मन को नेस्तनाबूत कर सकते हैं।

रणनीतिक-विशाल परिवहन क्षमताः भारतीय वायु सेना एक साथ सी-17 ग्लोबमास्टर-3, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और इल्युशिन II-76 जैसे विशालकाय मालवाहक विमानों का संचालन करती है। इनकी मदद से भारी टैंकों, तोपों और सैनिकों को कुछ देर में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

मानवीय सहायता-आपदा राहत में हरदम आगेः युद्ध कौशल के अलावा, भारतीय वायु सेना को उसकी असाधारण मानवीय सेवा के लिए भी जाना जाता है। देश के भीतर बाढ़, भूकंप, चक्रवात या कोई भी प्राकृतिक आपदा हो या फिर कोई वैश्विक महामारी, वायु सेना के हेलीकॉप्टर 'दूत' बनकर आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा करने को पहुंच जाते हैं। केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आपदा के समय भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन राहत, ऑपरेशन कावेरी जैसे अभियानों के जरिए राहत एवं बचाव कार्य करके अपनी वैश्विक पहचान बनाई। *



अपराजेय गरुड़ कमांडो फोर्स

भारतीय वायु सेना के पास अपनी एक अत्यंत कुशल और घातक विशेष बल इकाई है, जिसे 'गरुड़ कमांडो फोर्स' कहा जाता है। वर्ष 2004 में स्थापित इस बल का मुख्य काम वायु सेना के महत्वपूर्ण ठिकानों, एयरबेस और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना, आतंकवाद विरोधी अभियान, हवाई बचाव कार्य और युद्ध के समय दुश्मन के इलाके में जाकर महत्वपूर्ण मिशनों को अंजाम देना शामिल है।

इसमें संदह नहीं कि एआई ने अनेक कामों को ईजी बनाया है। ऐसे में अपनी प्रोफेशनल वैल्यू बनाए रखने, उसमें ग्रोथ करने और बेहतर तरीके से काम को अंजाम देने के लिए रेग्युलर स्किल अपडेट्स करना जरूरी है।

एआई के दौर में बहुत जरूरी हैं रेग्युलर स्किल अपडेट्स

सजेशन
अंजू जैन



एक समय था जब नौकरी पाने के लिए डिग्री पर्याप्त मानी जाती थी। फिर डिग्री के साथ टेक्निकल या कंप्यूटर नॉलेज और अंग्रेजी बोलना जरूरी हो गया। अब एआई को समझना, उसे हैंडल करना भी जरूरी होता जा रहा है।

तकनीक के साथ समझ जरूरीः विश्व आर्थिक मंच की फ्यूचर ऑफ जॉब्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक लगभग 40 प्रतिशत वर्क स्किल में बदलाव आने की उम्मीद है। एआई और बिग डेटा की समझ की जरूरत है, लेकिन एनालिटिकल सोच, क्रिएटिविटी, लचीलापन, लीडरशिप और सीखते रहने की क्षमता भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का आकलन भी बताता है कि दुनिया के लगभग हर चार में से एक काम में जेनरेटिव एआई का कुछ न कुछ एक्सपोजर है, लेकिन अधिकांश मामलों में तस्वीर नौकरी के पूरी तरह खत्म होने की बजाय काम के बदलने की है। जाहिर है आने वाले समय में कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत होगी, जो तकनीक के साथ-साथ मनुष्य, समाज, संस्कृति, नैतिकता और जटिल समस्याओं को भी समझ सकें। ऐसे में युवाओं के लिए कुछ विषय और स्किल को समझना विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं।



'सवाल पूछने' की कलाः एआई से बेहतर उत्तर पाने के लिए बेहतर सवाल पूछना जरूरी है। लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, यह पहचानना कि सवाल सही है या नहीं। आज विद्यार्थी उत्तर खोजने में बहुत समय लगाते हैं। भविष्य में वे सही समस्या पहचानने में समय लगाएंगे। समस्या की सही परिभाषा, संदर्भ और उद्देश्य समझना किसी भी एआई टूल से अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।

एआई को सहायक बनाइएः एआई से डरकर उससे दूर भागना व्यावहारिक रणनीति नहीं है। बेहतर तरीका है अपने पेशे में एआई का उपयोग सीखना। लेखक रिसर्च और ड्राफ्टिंग में, वकील दस्तावेजों के विश्लेषण में, डॉक्टर प्रशासनिक काम में, शिक्षक शिक्षण सामग्री तैयार करने में और व्यापारी डेटा विश्लेषण में एआई का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन अंतिम निर्णय, तथ्य, जांच और जिम्मेदारी हमारी ही रहनी चाहिए।

केवल प्रॉम्प्ट राइटर न बनेंः आज सही प्रॉम्प्ट लिखना उपयोगी कौशल है, लेकिन किसी एक टूल या तकनीक को पूरा करियर मान लेना जोखिम भरा हो सकता है। तकनीक बदलती रहती है। इस मामले में बेहतर रणनीति है अपने मूल विषय के साथ एआई का संयोजन तैयार करना। पत्रकार, डॉक्टर, शिक्षक, डिजाइनर, वकील, मार्केटिंग प्रोफेशन में एआई का यूज कैसे हो सकता है, यह जानना जरूरी है। यही संयोजन आपको अपने क्षेत्र में अधिक सक्षम बना सकता है।

क्रिएटिविटी की बनी रहेगी डिमांडः एक मशीन हजारों विकल्प तैयार कर सकती है, लेकिन कौन-सा विकल्प हमारे लिए अर्थपूर्ण है, यह तय करना अभी भी मानवीय समझ मांगता है। विश्व आर्थिक मंच ने रचनात्मक सोच को उन कौशलों में शामिल किया है, जिनकी मांग आने वाले वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है। इसलिए लेखन, कहानी कहने, डिजाइन, विचार निर्माण, समस्या-समाधान और नए दृष्टिकोण विकसित करने की क्षमता आने वाले दौर में बनी रहेगी। उसमें एआई का कैसे बेहतर यूज हो सकता है, यह समझना जरूरी है।

इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी है जरूरीः भविष्य में विषयों की दीवारें कमजोर होंगी। कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी को मनोविज्ञान की समझ काम आ सकती है और इंजीनियर को समाजशास्त्र की। इसी तरह पत्रकार को डेटा, डेटा साइंटिस्ट को संचार और एआई विशेषज्ञ को नैतिकता समझनी पड़ सकती है। एक विषय में गहराई और दूसरे विषयों की पर्याप्त समझ- यह संयोजन रोजगार की नई ताकत बन सकता है।

हर सूचना पर भरोसा न करेंः ध्यान रखें कि एआई बहुत आत्मविश्वास से गलत उत्तर भी आपको दे सकता है। इसलिए भविष्य की एक महत्वपूर्ण क्षमता होगी- सत्यापन। किसी एआई-जेनरेटेड उत्तर को इस्तेमाल करने से पहले स्रोत देखना, आंकड़े जांचना, संदर्भ समझना और दूसरी स्वतंत्र जानकारी से मिलान करना जरूरी होगा। यही कारण है कि क्रिटिकल थिंकिंग केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं, हर पेशेवर के लिए आवश्यक बनती जा रही है। *

जागरूकता
नेहा जैन

विशेषः विश्व पशु दिवस, 4 अक्टूबर

यह दुनिया तभी सुरक्षित रहेगी, जब प्रकृति के सभी अंगों के बीच संतुलन होगा। हमारे अस्तित्व के लिए पेड़-पौधों के साथ ही पशुओं की विभिन्न प्रजातियों का होना भी जरूरी है। आज विश्व पशु दिवस के अवसर पर, पशुओं की महत्ता समझना जरूरी है।

दुनिया के लिए कम नहीं पशुओं की महत्ता

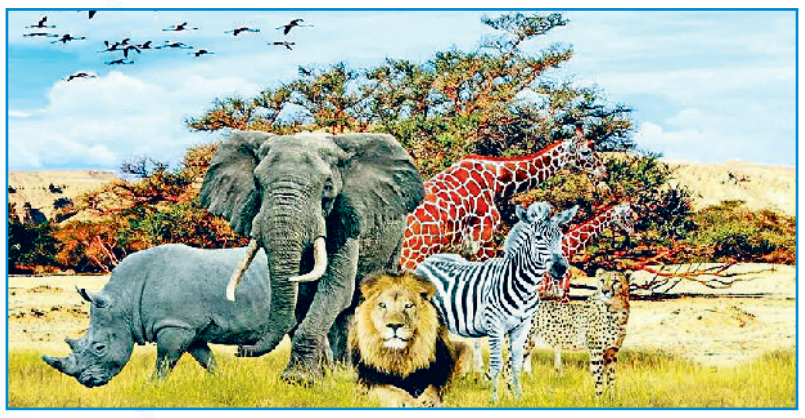

दुनिया भर में पशु अधिकारों और उनके कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 4 अक्टूबर को विश्व पशु दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के विश्व पशु दिवस की आधिकारिक थीम 'उनकी आंखों से दुनिया देखें' निर्धारित की गई है। इस विषय का उद्देश्य इंसानों को अपनी स्वार्थी सोच से बाहर निकलकर यह समझने के लिए प्रेरित करना है कि बेजुबान जानवर इस बदलती हुई दुनिया को किस तरह महसूस करते हैं। यह दिवस पशुओं के प्रति क्रूरता को समाप्त करने और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करने का एक वैश्विक संकल्प है।

दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकताः इस वर्ष की थीम 'उनकी आंखों से दुनिया देखें', हमें अपने सोचने के पारंपरिक तौर-तरीकों को बदलने की चुनौती देती है। सामान्यतः मनुष्य पूरी प्रकृति और अन्य जीवों को केवल अपनी आवश्यकताओं, आर्थिक लाभ और उपभोग के चश्मे से देखता है। लेकिन यह थीम हमें सिखाती है कि हमें एक पल के लिए ठहरकर यह सोचना चाहिए कि हमारे द्वारा फैलाया गया प्रदूषण, शहरीकरण और जंगलों की कटाई जानवरों के जीवन को कैसे प्रभावित कर रही है। जब हम खुद को एक बेजुबान जीव के स्थान पर रखकर देखेंगे, तभी हम उनके दर्द, उनकी असुरक्षा और उनके अस्तित्व के संकट को महसूस कर पाएंगे।

पशु कल्याण के प्रति एकजुटताः विश्व पशु दिवस केवल पालतू जानवरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पृथ्वी पर मौजूद हर छोटे-बड़े जीव के अधिकारों की वकालत करता है। इस वर्ष की थीम के अंतर्गत दुनिया भर के पशु अधिकार संगठनों, पर्यावरणविदों और आम नागरिकों को एकजुट किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर ऐसे कड़े कानून बनाना और लागू करना है, जो प्रयोगशालाओं में पशुओं पर होने वाले क्रूर परीक्षणों, उद्योगों में उनके शोषण और अवैध शिकार को पूरी तरह से रोक सकें। जब दुनिया जानवरों के नजरिए से सोचेगी, तो उनके अधिकारों की रक्षा के लिए नीतियां बनाना और अधिक व्यावहारिक हो जाएगा।



रोकें प्राकृतिक आवासों का विनाशः मनुष्यों ने अपने उद्योगों, सड़कों और कंक्रीट के जंगलों का विस्तार करने के लिए वन्यजीवों के सदियों पुराने प्राकृतिक आवासों को नष्ट कर दिया है। यदि हम एक बाघ, हाथी या किसी पक्षी की आंखों से देखें, तो उनके लिए उनका घर लगातार सिमट रहा है, भोजन और पानी के स्रोत खत्म हो रहे हैं, और वे अपने ही घर में बेगाने हो चुके हैं। यही कारण है कि आज 'मानव-वन्यजीव संघर्ष' की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हम उनके आवासों को सुरक्षित नहीं करेंगे, तो हम पृथ्वी की अनमोल जैव विविधता को हमेशा के लिए खो देंगे।

मूक पशुओं के प्रति सहानुभूतिः सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं जैसे कुत्ते, बिल्ली या मवेशी को अकसर इंसानी गुस्से, वाहनों की टक्कर और भुखमरी का सामना करना पड़ता है। इस वर्ष का मुख्य संदेश यह है कि ये बेजुबान जीव भी इंसानों की तरह ही डर, दर्द, भूख और स्नेह की भावनाओं को महसूस कर सकते हैं। उनकी नजर से देखने पर एक जलती हुई प्लास्टिक की थैली या पटाखों का शोर किसी भयानक दुःस्वप्न से कम नहीं है। समाज में इस संवेदनशीलता को जगाकर ही हम पशुओं के खिलाफ होने वाली घरेलू और सामाजिक क्रूरता को काफी हद तक समाप्त कर सकते हैं।

प्रत्येक जीव की अद्वितीय भूमिकाः प्रकृति में कोई भी जीव व्यर्थ नहीं है। चाहे वह मधुमक्खी हो जो परागण के जरिए इंसानों के लिए अनाज-फलों के उत्पादन में सहायता करती है, या गिद्ध जो पर्यावरण को साफ रखते हैं। हर जीव पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस वर्ष की थीम दर्शाती है कि यदि हम इन जीवों को उनके नजरिए से जीने की स्वतंत्रता नहीं देंगे, तो पूरा प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा। किसी एक प्रजाति का विलुप्त होना इंसानी सभ्यता के अंत की शुरुआत हो सकता है, क्योंकि हमारा अस्तित्व पूरी तरह से इन जीवों की परस्पर निर्भरता पर टिका हुआ है।

जलवायु परिवर्तन का पशुओं पर प्रभावः ग्लोबल वॉर्मिंग, समुद्री जलस्तर का बढ़ना और प्लास्टिक प्रदूषण आज के समय की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। यदि हम एक समुद्री कछुए या व्हेल की जगह खुद को रखें तो समझ जाएंगे कि पूरा महासागर प्लास्टिक के कचरे का एक डंपयार्ड बन चुका है, जिसे वे अनजाने में भोजन समझकर खा लेते हैं और तड़प-तड़प कर मर जाते हैं। इसी तरह, पिघलते ग्लेशियर ध्रुवीय भालू के अस्तित्व को मिटा रहे हैं। जाहिर है, हमारी आधुनिक जीवनशैली का खामियाजा उन जीवों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका प्रदूषण फैलाने में कोई हाथ नहीं है। *

छोटे-छोटे प्रभावी प्रयास

इस वर्ष की थीम को सार्थक बनाने के लिए किसी बड़े बजट या संगठन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर बदलाव ला सकता है।

- अपने घर की छत या बालकनी पर पक्षियों के लिए दाना और साफ पानी रखें।
- गर्मियों और सर्दियों में आवारा पशुओं के लिए छाया या बैठने के लिए अस्थाई शेल्टर की व्यवस्था करें।
- प्लास्टिक का उपयोग कम करें ताकि वह कचरे के रूप में किसी जानवर के पेट में न जाए।
- सड़क पर किसी घायल जानवर को देखकर मुंह मोड़ने के बजाय पशु हेल्पलाइन या स्थानीय पशु चिकित्सालय से संपर्क करें।
- शाकाहारी या क्रूरता मुक्त उत्पादों को प्राथमिकता दें।

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी फिल्मों के नायकों की उम्र जब बढ़ती है तो उसका स्टारडम और एवरग्रीन कहकर हर रोल में स्वीकार कर लिया जाता है, लेकिन नायिका की उम्र बढ़ते ही उसके किरदार बदल जाते हैं। हिंदी सिनेमा के इस दोहरे मापदंड पर एक नजर।

नायक की उम्र को सलाम नायिका की उम्र पर सवाल

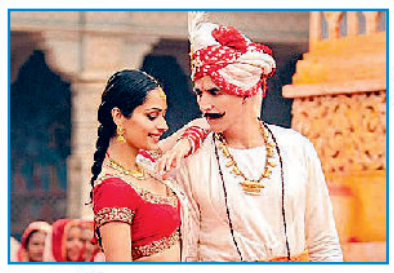

'सम्राट पृथ्वीराज' में अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर

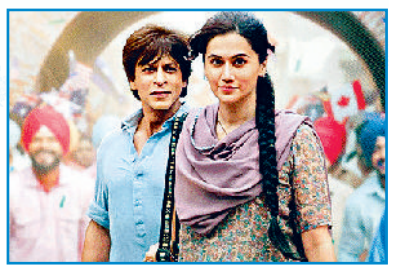

'डंकी' में शाहरुख खान-तापसी पन्नू

हिंदी सिनेमा में उम्र का हिसाब बड़ा दिलचस्प है। नायक की उम्र बढ़ती है तो उसका अनुभव, व्यक्तित्व और स्टारडम बढ़ता हुआ बताया जाता है। लेकिन नायिका की उम्र बढ़ते ही उसके हिस्से में मां, पत्नी, बुआ, मौसी या ऐसी ही अन्य चरित्र भूमिकाएं आती हैं। पर्दे पर 55-60 साल का नायक अब भी 20-25 साल छोटी नायिका के साथ रोमांस कर सकता है और इसे 'सिनेमाई जादू' कहा जाता है। लेकिन 40-45 साल की अभिनेत्री अगर प्रेम कहानी की केंद्रीय पात्र बनना चाहे तो सवाल उठने लगते हैं। नायक और नायिका की उम्र का यह दोहरा मापदंड हिंदी सिनेमा की उस मानसिकता को सामने लाता है, जिसमें पुरुष की बढ़ती उम्र को आकर्षण और स्त्री की बढ़ती उम्र को सीमा मान लिया जाता है।

बढ़ती उम्र के बावजूद नायकों की जगह सुरक्षितः देव आनंद से लेकर अमिताभ बच्चन और फिर शाहरुख, सलमान, आमिर तथा अक्षय कुमार तक, उम्रदराज नायकों के लिए रोमांटिक नायक की जगह लंबे समय तक सुरक्षित रही। देव आनंद ने उम्र बढ़ने के बाद भी युवा अभिनेत्रियों के साथ फिल्मों में रोमांस किया। इसे उनकी सदाबहार छवि का हिस्सा माना गया। ऐसे ही 'सूर्यवंशम' में अमिताभ के साथ सौंदर्या की जोड़ी में करीब 30 साल का अंतर था, लेकिन फिल्म मेकर्स, दर्शक और क्रिटिक्स ने इसे सहज रूप से स्वीकार कर लिया।



'सूर्यवंशम' में अमिताभ-सौंदर्या

समय बदला-सोच नहींः 1990 के दशक में खान सितारों के उभार के साथ 'एवरग्रीन नायक' की धारणा और मजबूत हुई। शाहरुख खान की रोमांटिक छवि इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के राज से लेकर बाद की फिल्मों तक उनकी नायिकाओं की पीढ़ियां बदलती रहीं। लेकिन रोमांटिक नायक की उनकी पहचान बनी रही। 'रब ने बना दी जोड़ी' में 40 पार शाहरुख को लगभग 20 साल की अनुष्का शर्मा के साथ जोड़ा गया और कहानी के संदर्भ में इसे सहजता से स्वीकार कर लिया गया। बाद में 'डंकी' में तापसी पन्नू के साथ भी उम्र का अंतर चर्चा में आया। सलमान खान के साथ 'दबंग-3' में सई मांजरेकर, अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' में मानुषी छिल्लर और आमिर खान के साथ 'गजनी' में असिन जैसे कई उदाहरण बताते हैं कि मुख्यधारा का सिनेमा उम्र के इस अंतर को पुरुष सितारे के मामले में असामान्य नहीं मानता। यहां नायक की उम्र अकसर कहानी के पीछे चली जाती है और उसकी स्टार वाली छवि दर्शकों के आगे आ जाती है।

नायिका की उम्र को लेकर अलग मापदंडः अभिनेत्री की उम्र को लेकर बॉलीवुड नजरिया ज्यादा कठोर है। बॉलीवुड में 50-60 साल के अभिनेता के लिए 'अब भी जवान', 'फिट' और 'चार्मिंग' जैसे विशेषण सहज हैं, जबकि बढ़ती उम्र, शादी और मातृत्व के बाद कोई अभिनेत्री अगर रोमांटिक भूमिकाएं करना चाहे तो उसे अकसर उम्र, रूप और निजी जीवन से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ता है। हम देखते हैं कि देवानंद की पीढ़ी की कई अभिनेत्रियां जल्दी ही मुख्यधारा की नायिका की दौड़ से बाहर हो गईं। अमिताभ के दौर की रेखा, जया बच्चन और हेमा मालिनी जैसी अभिनेत्रियों के लिए रोमांटिक नायिका या लीड एक्ट्रेस की जगह तेजी से सीमित होती गई।

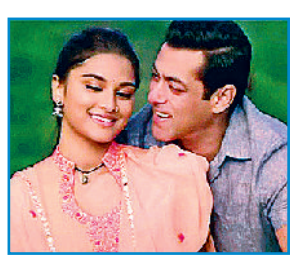

'दबंग-3' में सलमान-सई मांजरेकर

एक समय 'तेजाब', 'राम लखन', 'दिल', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन' और 'दिल तो पागल है' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों की केंद्रीय नायिका रहीं माधुरी बाद के दौर में अधिकतर चरित्र, मल्टीस्टारर या विशेष भूमिकाओं में दिखाई देने लगीं। उनकी प्रतिभा, लोकप्रियता कायम रहते हुए भी मुख्यधारा की रोमांटिक कहानियों में उनके लिए जगह कम होती गई।

ऐसे ही 'जब वी मेट' और 'ओंकारा' जैसी फिल्मों में केंद्रीय भूमिका निभाने वाली करीना कपूर अब कंटेंट आधारित, पारिवारिक या गंभीर भूमिकाओं में अधिक नजर आती हैं।

कुछ-कुछ बदल रहा सिनेरियोः हालांकि तस्वीर पूरी तरह एकतरफा भी नहीं है। 'इंग्लिश-विंग्लिश', 'क्वीन', 'नीरजा', 'थप्पड़', 'दंगल' और 'पीकू' जैसी फिल्मों ने दिखाया कि महिला पात्रों की उम्र, वैवाहिक स्थिति या पारिवारिक भूमिका उनकी कहानी का अंत नहीं है। मजबूत पटकथा और विश्वसनीय किरदार हों तो दर्शक उम्र से आगे जाकर पात्र से जुड़ते हैं। ओटीटी ने भी अभिनेत्रियों के लिए ऐसी भूमिकाओं के अवसर बढ़ाए हैं, जिनमें उम्र कहानी की बाधा नहीं बनती।

मानसिकता बदलने की जरूरतः समस्या केवल कास्टिंग की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जिसमें पुरुष की उम्र बढ़ने के साथ उसका सामाजिक और सिनेमाई मूल्य बढ़ता है, जबकि महिला की युवा छवि को ही उसका सबसे बड़ा आकर्षण मान लिया जाता है। बाजार इसी सोच को दोहराता है और दर्शक उसी दोहराव के अभ्यस्त होते जाते हैं। इस तरह एक सोच बनती है। सिनेमा समाज का दर्पण भी है और उसे प्रभावित करने वाला माध्यम भी। जब पर्दे पर बार-बार यह दिखाया जाता है कि 60 साल का पुरुष 20 साल की लड़की का सहज प्रेमी हो सकता है, लेकिन 40-45 साल की महिला का प्रेम कहानी का केंद्र बनना असामान्य है, तो यह सिर्फ फिल्मी चुनाव नहीं रह जाता। बदलाव तभी आएगा जब कहानी में उम्र को पुरुष, महिला के लिए अलग पैमाने से देखना बंद किया जाए। प्रेम की उम्र नहीं होती। यह बात फिल्मों ने कई बार कही है। अब जरूरत इसे नायक तक सीमित न रखने की है। *